website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 114 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार, 04 अप्रैल 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

खामोशी को हार मत समझ लेना; राघव चड्ढा ने AAP पर उठा दिए गंभीर सवाल

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता राघव चड्ढा को राज्यसभा में उपनेता पद से हटाए जाने के बाद पार्टी के भीतर सियासी हलचल तेज हो गई है। चड्ढा ने एक वीडियो जारी कर पार्टी

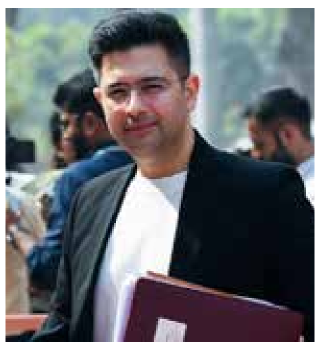

नेतृत्व पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर जनता के मुद्दे उठाने से उन्हें क्यों रोका जा रहा है। उन्होंने शायराना अंदाज में कहा, "मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझ लेना, मैं वो दरिया हूं जो वक्त आने पर सैलाब बनता है।" चड्ढा ने कहा कि वह संसद में हमेशा आम जनता से जुड़े मुद्दे उठाते रहे हैं, जैसे महंगे एयरपोर्ट खाने, ऑनलाइन डिलीवरी कर्मियों की समस्याएं, टोल प्लाजा और बैंक चार्ज जैसे विषय। उन्होंने सवाल किया कि क्या इन मुद्दों को उठाना कोई अपराध है। उनका आरोप है कि पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर उनके बोलने पर रोक लगाने की कोशिश की। इस घटनाक्रम के बाद विपक्षी दलों ने भी AAP को घेरना शुरू कर दिया है। बीजेपी नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी ने इसे तानाशाही करार देते हुए कहा कि किसी सांसद को बोलने से रोकना लोकतंत्र के खिलाफ है। वहीं कांग्रेस नेताओं ने भी पार्टी के अंदर लोकतांत्रिक मूल्यों के हनन का आरोप लगाया। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह विवाद AAP के अंदरूनी मतभेदों को उजागर करता है और आने वाले समय में पार्टी के लिए चुनौती बन सकता है।

तारागिरी से बढ़ी भारत की समुद्री ताकत

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना में शुक्रवार को अत्याधुनिक स्टील्थ युद्धपोत 'तारागिरी' को शामिल किया गया। इसका कमीशनिंग समारोह विशाखापत्तनम में आयोजित हुआ, जिसमें रक्षा मंत्री

राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने इसे "स्टेट ऑफ द आर्ट वॉरशिप" बताते हुए भारत की बढ़ती समुद्री शक्ति का प्रतीक बताया। 'तारागिरी' सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और उन्नत पनडुब्बी रोधी प्रणाली से लैस है। अत्याधुनिक युद्ध प्रबंधन प्रणाली से सुसज्जित यह युद्धपोत दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। इसकी खासियत यह है कि यह न केवल युद्ध में बल्कि मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों में भी अहम भूमिका निभा सकता है। इस युद्धपोत का निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) ने किया है, जिसमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग हुआ है। यह जहाज अपने पुराने संस्करणों की तुलना में एक नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि 'तारागिरी' भारत के आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र और मजबूत संकल्प का प्रतीक है। इसके साथ ही देश का रक्षा निर्यात भी तेजी से बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा निर्यात 38,424 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 62.66 प्रतिशत अधिक है।

एनसीआर में बदला मौसम, आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली । भारतीय मौसम विभाग के ताज़ा पूर्वानुमान के अनुसार दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में मौसम तेजी से बदलने वाला है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से पूरे हफ्ते

आंधी, बारिश, बिजली गिरने और कहीं-कहीं ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। आज अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि ह्यूमिडिटी 80 से 45 प्रतिशत के बीच रही। मौसम "थंडरस्टॉर्म विथ रेन" रहने का अनुमान है। 4 अप्रैल को भी 30–40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं, गरज-चमक और बारिश की संभावना है। 5 अप्रैल को भी बारिश का सिलसिला जारी रहेगा, जबकि 6 अप्रैल को आंशिक राहत मिल सकती है और आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहेगा। 7 और 8 अप्रैल को फिर से मौसम करवट लेगा और गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना बनी रहेगी। मौसम विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि आंधी और बिजली के दौरान खुले स्थानों से दूर रहें, पेड़ों के नीचे खड़े न हों और अनावश्यक यात्रा से बचें। किसानों को भी फसलों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की हिदायत दी गई है। आने वाला सप्ताह मौसम के लिहाज से उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है।

जन विश्वास विधेयक 2026 पास: पीएम मोदी बोले—'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बड़ा बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2026 को लोकसभा और राज्यसभा द्वारा पारित किया गया है, जो देश में व्यापार सुगमता और जीवन सुगमता को और बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पीएम मोदी ने इस पर खुशी जताई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस विधेयक के पास होने पर खुशी जताते हुए लिखा कि 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बड़ा बढ़ावा। यह बहुत खुशी की बात है कि संसद ने जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) विधेयक 2026 को पारित कर दिया है। यह विधेयक भरोसे पर आधारित व्यवस्था को मजबूत करता है, जो नागरिकों को सशक्त बनाती है। उन्होंने आगे लिखा कि यह पुराने और अप्रासंगिक नियमों को खत्म करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। साथ ही, यह मामलों के जल्दी निपटारे में मदद करेगा,

मुकदमों का बोझ कम करेगा और कई मामलों को अपराध की श्रेणी से बाहर करेगा। इस विधेयक की खास बात यह भी है कि इसे तैयार करते समय सभी पक्षों से सलाह-मशविरा किया गया। पीएम मोदी ने आगे लिखा कि मैं उन सभी लोगों को बधाई देता हूं, जिन्होंने इस विधेयक के निर्माण में अपने सुझाव दिए और संसद में इसका समर्थन किया। यह विधेयक सरकार की विश्वास-आधारित शासन ढांचे को बढ़ावा देने और समानुपातिक नियमन सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह व्यक्तियों और व्यवसायों पर अनुपालन बोझ को कम करने के लिए छोटे अपराधों का अपराधमुक्तिकरण तथा मौजूदा कानूनी प्रावधानों को तर्कसंगत करने का प्रयास करता है। विधेयक के प्रावधानों के अनुसार, 23 मंत्रालयों द्वारा प्रशासित 79 केंद्रीय अधिनियमों के 784 प्रावधानों में संशोधन किया गया है। इनमें से 717 प्रावधानों का अपराधमुक्तिकरण व्यापार सुगमता को बढ़ावा देने के लिए किया गया है, जबकि 67 प्रावधानों में संशोधन जीवन सुगमता को सुगम बनाने के लिए किया गया है। कुल मिलाकर, विधेयक छोटे अपराधों को हटाकर 1,000 से अधिक अपराधों को तर्कसंगत करने का प्रयास करता है, जिससे समग्र नियामक वातावरण में सुधार होगा और व्यवसायों तथा नागरिकों के लिए अधिक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र सक्षम होगा।

फ्लाइट सीट चयन पर राहत आदेश फिलहाल टला

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने फ्लाइट में 60 प्रतिशत सीटें मुफ्त देने के अपने प्रस्तावित आदेश को फिलहाल स्थगित कर दिया है। यह नियम 20 अप्रैल से लागू होना था, लेकिन नागर विमानन मंत्रालय ने इसकी समीक्षा के बाद इसे अगले आदेश तक टाल दिया है। मंत्रालय ने यह फैसला एयरलाइंस की चिंताओं को देखते हुए लिया, जिसमें इस नियम के ऑपरेशनल और कमर्शियल प्रभाव पर सवाल उठाए गए थे। एयरलाइंस, खासकर फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस और अकासा एयर ने कहा था कि 60 प्रतिशत सीटें मुफ्त करने से मौजूदा किराया ढांचा प्रभावित होगा और यह डिरेगुलेटेड टैरिफ सिस्टम के अनुकूल नहीं है। फिलहाल, मौजूदा नियम के तहत करीब 20 प्रतिशत सीटें बिना अतिरिक्त शुल्क के उपलब्ध रहती

हैं, जबकि बाकी सीटों के चयन के लिए यात्रियों को भुगतान करना पड़ता है। आमतौर पर सीट चयन शुल्क 200 रुपये से लेकर 2,100 रुपये तक होता है, जो सीट की लोकेशन और अतिरिक्त सुविधाओं पर निर्भर करता है। गौरतलब है कि 18 मार्च को मंत्रालय ने यात्रियों की शिकायतों को देखते हुए यह प्रस्ताव जारी किया था। इसमें एक ही पीएनआर पर यात्रा करने वाले यात्रियों को साथ बैठाने जैसे प्रावधान भी शामिल थे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि विस्तृत समीक्षा के बाद ही इस पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

असम चुनाव में गरजे अमित शाह

'कांग्रेस आई तो घुसपैठ बढ़ेगी', UCC और आदिवासी विकास पर बड़े ऐलान

नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव 2026 के मद्देनज़र सियासी माहौल गर्म होता जा रहा है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ग्वालपाड़ा जिले के दुधनोई में एक बड़ी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने शासनकाल में असम को घुसपैठियों का अड्डा बना दिया था और राज्य की सुरक्षा व सामाजिक संतुलन को नुकसान पहुंचाया। अमित शाह ने कहा कि अगर गलती से भी कांग्रेस सत्ता में आती है तो एक बार फिर घुसपैठियों का प्रवेश बढ़ेगा, जिससे आदिवासी समुदाय पर खतरा पैदा होगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भारतीय जनता पार्टी को दोबारा मौका मिलने पर राज्य से घुसपैठियों को पूरी तरह बाहर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि "सिर्फ एक साल और दीजिए, हम असम को घुसपैठ से मुक्त कर देंगे।" रैली में शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में आदिवासी समुदाय के विकास के लिए बनाए गए रोडमैप का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने आदिवासी समाज के बजट और सम्मान

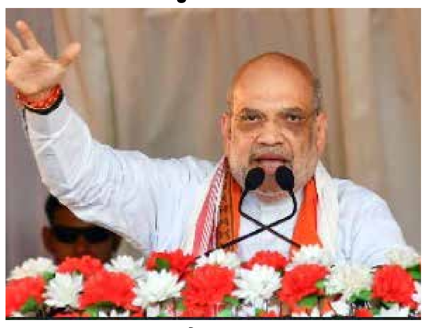

दोनों को बढ़ाया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि देश को पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भाजपा के कार्यकाल में मिलीं। अमित शाह ने समान नागरिक संहिता (UCC) पर भी बड़ा बयान देते हुए स्पष्ट किया कि असम में इसे लागू किया जाएगा, लेकिन आदिवासी समुदाय और उनके क्षेत्रों को इससे बाहर रखा जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह UCC के नाम पर लोगों को गुमराह कर रही है। अंत में शाह ने मतदाताओं से अपील की कि वे राज्य में शांति, सुरक्षा और विकास को बनाए रखने के लिए भाजपा को एक बार फिर सत्ता में लाएं।

अमेरिका ने पेटेंट वाली दवाओं पर लगाया 100 प्रतिशत टैरिफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने आयातित पेटेंट दवाओं पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का बड़ा फैसला लिया है। डोनाल्ड ट्रंप ने इस कदम के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेशी आपूर्ति शृंखलाओं पर अत्यधिक निर्भरता को मुख्य कारण बताया है। उनका कहना है कि जीवन रक्षक दवाओं का बड़े पैमाने पर आयात अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। इस नई नीति के तहत पेटेंट दवाओं और सक्रिय औषधीय घटकों (API) पर 100 प्रतिशत तक एड-वैलोरेम शुल्क लगाया जाएगा। हालांकि, जो कंपनियां अपना उत्पादन अमेरिका में स्थानांतरित करने का वादा करेंगी, उन्हें शुरुआत में 20 प्रतिशत कम शुल्क देना होगा, जो चार साल बाद बढ़ाकर 100 प्रतिशत कर दिया जाएगा। यह कदम अमेरिका में घरेलू दवा निर्माण को बढ़ावा देने की रणनीति का हिस्सा है। नीति में कुछ देशों को आंशिक राहत भी दी गई है। यूरोपीय संघ, जापान, दक्षिण कोरिया और स्विट्ज़रलैंड से आने वाली दवाओं पर लगभग 15 प्रतिशत का कम शुल्क लगाया जाएगा। वहीं, अनाथ दवाएं, परमाणु दवाएं और जीन थेरेपी जैसी विशेष श्रेणियों को इस टैरिफ से छूट दी गई है। फिलहाल जेनेरिक दवाओं और बायोसिमिलर्स को इस व्यवस्था से बाहर रखा

गया है, जिससे भारत जैसे देशों को कुछ राहत मिल सकती है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि यह कदम सिर्फ शुल्क बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि दवा उत्पादन को अमेरिका में वापस लाने की दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है। अधिकारियों के अनुसार, कई फार्मास्युटिकल कंपनियां पहले ही अमेरिका में नए संयंत्र स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। यह टैरिफ 31 जुलाई 2026 से चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। कुछ कंपनियों को मौजूदा समझौतों के आधार पर समयसीमा में छूट भी दी जा सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले का वैश्विक दवा बाजार पर व्यापक असर पड़ेगा। भारत और चीन जैसे देश, जो जेनेरिक दवाओं और API के बड़े निर्यातक हैं, इस बदलाव से प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि अभी जेनेरिक दवाओं को छूट दी गई है, लेकिन भविष्य में नियम सख्त होने पर दवाओं की कीमतों और आपूर्ति शृंखला पर दबाव बढ़ सकता है। यह निर्णय ट्रेड एक्सपेंशन एक्ट की धारा 232 के तहत लिया गया है, जिसका उपयोग पहले स्टील और एल्यूमिनियम पर टैरिफ लगाने के लिए किया जा चुका है। अब इसे दवा क्षेत्र तक बढ़ाना वैश्विक व्यापार नीति में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

मोतिहारी शराब कांड पर सियासत गरम: तेजस्वी का नीतीश सरकार पर तीखा हमला

पटना । बिहार के मोतिहारी में जहरीली शराब से हुई मौतों ने राज्य की राजनीति को एक बार फिर गरमा दिया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस घटना पर गहरा दुख जताते हुए सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इस हादसे में 4 लोगों की मौत और कई लोगों की आंखों की रोशनी जाना बेहद दुखद और चिंताजनक है। तेजस्वी ने दावा किया कि शराबबंदी लागू होने के बाद से अब तक 1300 से अधिक लोग जहरीली शराब के कारण जान गंवा चुके हैं, जबकि वास्तविक आंकड़े इससे कहीं ज्यादा हो सकते हैं।

शराबबंदी को बताया 'कमाऊ पूत'

तेजस्वी यादव ने बिहार की शराबबंदी नीति को पूरी तरह विफल करार देते हुए कहा कि यह अब भ्रष्ट अधिकारियों और शराब माफियाओं के लिए "कमाऊ पूत" बन चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस मकसद से यह कानून लागू किया गया था, वह अब पूरी तरह भटक गया है और इसका फायदा केवल रसूखदार लोगों को मिल रहा है।

पुलिस-प्रशासन पर मिलीभगत के आरोप

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने नीतीश कुमार की सरकार को घेरते हुए कहा कि राज्य में पुलिस और प्रशासन की मिलीभगत से शराब की होम डिलीवरी तक हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ताधारी दलों के संरक्षण में शराब माफिया खुलेआम काम कर रहे हैं, जबकि गरीब जनता इसकी कीमत अपनी जान देकर चुका रही है।

नीति पर पुनर्विचार की मांग

तेजस्वी ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि सरकार शराबबंदी कानून की वास्तविक स्थिति को समझे और इसमें जरूरी सुधार करे। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कानून अब गरीबों को जेल भेजने और भ्रष्ट तंत्र को मजबूत करने का जरिया बन गया है, जिससे आम जनता सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है।

केरल चुनाव से पहले सियासी बयानबाज़ी तेज, रिजिजू का कांग्रेस-वाम पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल विधानसभा चुनावों से पहले राज्य की राजनीति में बयानबाज़ी तेज हो गई है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि इन दलों ने लंबे समय तक राज्य की जनता को गुमराह किया है। उन्होंने कहा कि हर पांच साल में सत्ता परिवर्तन होता रहा, लेकिन आम लोगों की समस्याओं पर गंभीर ध्यान नहीं दिया गया। रिजिजू ने कहा कि इस बार के चुनाव में कांग्रेस और कम्युनिस्ट दल जनता के सामने "बेनकाब" हो चुके हैं। उनका दावा है कि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए गठबंधन ने केरल के विकास के लिए एक स्पष्ट और ठोस नीति तैयार की है, जो राज्य के भविष्य को नई दिशा दे सकती है। केंद्रीय मंत्री ने विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (FCRA) को लेकर भी विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और

वाम दल इस कानून को लेकर लोगों के बीच भ्रम फैला रहे हैं और गलत जानकारी दे रहे हैं। रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम कर रही है और किसी भी प्रकार की गलतफहमी को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अलावा, उन्होंने कांग्रेस पर मुस्लिम समुदाय को "वोट बैंक" के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों में अल्पसंख्यकों की अनदेखी की जाती थी, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी समुदायों को समान महत्व दिया जा रहा है, खासकर छोटे-छोटे अल्पसंख्यक समूहों को। रिजिजू ने मुस्लिम समुदाय से अपील करते हुए कहा कि वे किसी एक पार्टी के प्रभाव में आकर मतदान न करें, बल्कि अपने हितों और विकास को ध्यान में रखते हुए स्वतंत्र निर्णय लें। चुनावी माहौल में ऐसे तीखे बयान आने वाले दिनों में केरल की राजनीति को और गर्मा सकते हैं।

पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद भी तैनात रहेंगी सीएपीएफ की 500 कंपनियां: चुनाव आयोग

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। राजनीतिक दलों ने इस चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इस बीच भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने शांतिपूर्वक बंगाल चुनाव कराने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती की है। चुनाव आयोग के अनुसार, पश्चिम बंगाल में मतगणना पूरी होने के बाद भी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की 500 कंपनियां कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात रहेंगी। चुनाव के बाद भी सीएपीएफ की कंपनियां बंगाल में तैनात रहेंगी। यह तैनाती ईसीआई के अगले आदेश तक जारी रहेगी। बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु तथा पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के लिए आम चुनाव और गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नागालैंड तथा त्रिपुरा के आठ विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित किया था। इसके तहत असम, केरल, पुडुचेरी, गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा में 9 अप्रैल तथा तमिलनाडु, गुजरात और महाराष्ट्र में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। वहीं, पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को मतदान होगा। जनप्रतिनिधित्व

अधिनियम, 1951 की धारा 135बी के अनुसार, किसी भी व्यवसाय, व्यापार, औद्योगिक उपक्रम या किसी अन्य संस्था में कार्यरत प्रत्येक व्यक्ति, जिसे लोक सभा या राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं के चुनाव या किसी संसदीय/विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव में मतदान का अधिकार प्राप्त है, उसे मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश प्रदान किया जाएगा। ऐसे सवैतनिक अवकाश के कारण किसी भी कर्मचारी के वेतन में कटौती नहीं की जाएगी। कोई भी नियोक्ता जो इन प्रावधानों का उल्लंघन करता है, उसे जुर्माने का सामना करना पड़ेगा। सभी दैनिक वेतन भोगी और आकस्मिक मजदूरों को भी मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश का अधिकार होगा। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि ऐसे मतदाता (जिसमें आकस्मिक और दैनिक वेतन भोगी श्रमिक शामिल हैं) जो अपने निर्वाचन क्षेत्र के बाहर स्थित औद्योगिक या वाणिज्यिक संस्थानों में कार्यरत हैं, लेकिन मतदान होने वाले किसी निर्वाचन क्षेत्र में पंजीकृत हैं, उन्हें भी मतदान के दिन सवैतनिक अवकाश का लाभ मिलेगा, जिससे वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। आयोग ने सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सरकारों को निर्देश दिया है कि वे सभी संबंधित अधिकारियों को इन प्रावधानों के सख्त पालन के लिए आवश्यक निर्देश जारी करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी मतदाता अपने मताधिकार का स्वतंत्र और सुविधाजनक रूप से प्रयोग कर सकें।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

ट्रम्प के सम्बोधन ने दुनिया में भ्रम को और बढ़ाया है

डोनाल्ड ट्रम्प के हालिया राष्ट्र के नाम सम्बोधन ने स्पष्टता देने के बजाय वैश्विक स्तर पर भ्रम और अनिश्चितता को और गहरा कर दिया है। आमतौर पर ऐसे सम्बोधन किसी ठोस रणनीति, निर्णायक संदेश या स्पष्ट नीति संकेत के लिए होते हैं, लेकिन इस बार यह भाषण रोज़मर्रा की बयानबाज़ी से आगे बढ़ता नहीं दिखा। उल्टा, इसमें विरोधाभास और रणनीतिक अस्पष्टता ज्यादा नजर आई। सम्बोधन से पहले ट्रम्प द्वारा नाटो को कायर कहना और फिर आधिकारिक भाषण में उसका जिक्र तक न करना, उनकी विदेश नीति के अस्थिर रुख को दर्शाता है। इससे सहयोगी देशों के बीच भरोसे की कमी पैदा होना स्वाभाविक है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह रही कि ईरान को "पाषाण युग में भेजने" जैसी भाषा का इस्तेमाल किया गया, जो कूटनीतिक मर्यादाओं के खिलाफ है और तनाव को कम करने के बजाय बढ़ाता है। सबसे बड़ा विरोधाभास ट्रम्प के उद्देश्य को लेकर सामने आया। युद्ध के शुरुआती दौर में उन्होंने ईरान में नेतृत्व परिवर्तन की बात कही थी, लेकिन अब अपने बयान को बदलते हुए उन्होंने इसे केवल परमाणु कार्यक्रम रोकने तक सीमित कर दिया है। यह बदलाव बताता है कि अमेरिकी रणनीति स्पष्ट नहीं है, बल्कि परिस्थितियों के दबाव में बदली जा रही है। इससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय में यह संदेश जाता है कि अमेरिका दीर्घकालिक नीति के बजाय तात्कालिक राजनीतिक लाभ को प्राथमिकता दे रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी ट्रम्प का रुख कमजोर दिखाई देता है। यह वैश्विक तेल आपूर्ति की जीवनरेखा है, लेकिन इसे सुरक्षित और खुला रखने की जिम्मेदारी अब तेल आयातक देशों पर डाल दी गई है। यह अमेरिका की पारंपरिक भूमिका से पीछे हटने का संकेत है और वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव का प्रतीक भी। घरेलू राजनीति भी इस रणनीति पर स्पष्ट रूप से हावी दिखती है। मध्यावधि चुनावों के मद्देनज़र ट्रम्प किसी बड़े युद्ध में उलझने से बचना चाहते हैं, लेकिन साथ ही अपने समर्थकों को मजबूत नेतृत्व का संदेश भी देना चाहते हैं। यही कारण है कि सीमित लेकिन प्रभावशाली सैन्य कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। कुल मिलाकर, यह सम्बोधन एक स्पष्ट नीति की बजाय दुविधा, दबाव और राजनीतिक गणित का मिश्रण नजर आता है। इससे न केवल अमेरिका की विश्वसनीयता पर असर पड़ता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता भी दांव पर लग जाती है।

जीवन की सांझ में उपेक्षा

बुजुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है मातृदेवो भव, पितृदेवो भव केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं। यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं। इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, कॅरियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ जाती है और पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है। इसलिए समस्या का समाधान केवल कानून नहीं है, बल्कि परिवार के भीतर संतुलन, संवाद और समझ भी उतनी ही आवश्यक है। बच्चों को यह समझना चाहिए कि माता-पिता ने उनके लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है, इसलिए बुढ़ापे में उनकी सेवा और सम्मान उनका नैतिक कर्तव्य है। वहीं माता-पिता को भी यह समझना चाहिए कि समय बदल गया है, नई पीढ़ी की जीवनशैली और सोच अलग है, इसलिए उन्हें बच्चों को समझने और उन्हें स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है। वास्तव में परिवार एक संस्था है, जो प्रेम, त्याग, सम्मान और संवाद पर चलती है, न कि केवल अधिकार और अनुशासन पर। जहां केवल अधिकार होंगे, वहां टकराव होगा; जहां केवल त्याग होगा, वहां असंतुलन होगा लेकिन जहां प्रेम और संतुलन होगा, वहां परिवार मजबूत होगा।

आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया...

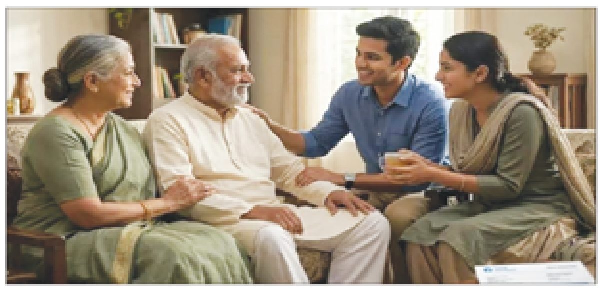

पंच परिवर्तन

डॉ. मारकंडे आहूजा

पर्यावरणीय संरक्षण जरूरत नहीं, आध्यात्मिक कर्तव्य

आज पूरी दुनिया पर्यावरण संकट के दौर से गुजर रही है। जलवायु परिवर्तन, जंगलों की अंधाधुंध कटाई, नदियों का प्रदूषण और बढ़ता तापमान मानव सभ्यता के सामने गंभीर चुनौती बन चुके हैं। वैज्ञानिक समाधान आवश्यक हैं परन्तु केवल तकनीकी उपाय पर्याप्त नहीं हैं। जब तक मनुष्य की सोच और जीवनशैली प्रकृति के अनुरूप नहीं होगी, तब तक स्थायी समाधान संभव नहीं। भारतीय संस्कृति में प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि माता के रूप में देखा गया है। यही कारण है कि यहां पृथ्वी, नदियों, पर्वतों और वृक्षों के प्रति श्रद्धा का भाव रहा है। इसी सांस्कृतिक दृष्टि को पुनर्जीवित करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने समाज जीवन में "पंच परिवर्तन" का आह्वान किया है जिनमें समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य और पर्यावरण संरक्षण शामिल हैं। इनमें पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान ही नहीं बल्कि जीवन की संस्कृति है। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण प्रकृति को अपनी ही अभिव्यक्ति बताते हुए कहते हैं, " भूमिरापोऽनलो वायुः खं मनो बुद्धिरेव च। अहंकार इतीयं मे भिन्ना प्रकृतिरष्टधा॥" (गीता 7.4) अर्थात पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश, ये सभी मेरी प्रकृति के रूप हैं। यह श्लोक हमें बताता है कि प्रकृति के प्रत्येक तत्व में दिव्यता निहित है, इसलिए उनका संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक कर्तव्य भी है। गीता में प्रकृति के संतुलन का एक महत्वपूर्ण सूत्र यज्ञ की अवधारणा के माध्यम से दिया गया है, "अन्नाद् भवन्ति भूतानि पर्जन्याद् अन्नसम्भवः। यज्ञाद् भवति पर्जन्यो यज्ञः कर्मसमुद्भवः॥" (3.14) अर्थात सभी प्राणी अन्न से उत्पन्न होते हैं, अन्न वर्षा से पैदा होता है और वर्षा यज्ञ से होती है। यहां "यज्ञ" का अर्थ केवल अग्नि में आहुति देना नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित और कृतज्ञ जीवन जीना है। भारतीय परंपरा में प्रकृति के प्रति करुणा और संवेदनशीलता के अनेक प्रेरक प्रसंग मिलते हैं। संत एकनाथ की एक प्रसिद्ध कथा इसका सुंदर उदाहरण है। कहा जाता है कि वे काशी से कांवड़ में गंगाजल लेकर रामेश्वरम जा रहे थे ताकि भगवान शिव का अभिषेक कर सकें। मार्ग में उन्हें एक प्यासा गधा दिखाई दिया जो पानी के अभाव में तड़प रहा था। संत एकनाथ ने बिना क्षण भर सोचे अपनी कांवड़ का गंगाजल उसी गधे को पिला दिया। लोगों ने आश्चर्य से पूछा-"यह जल तो भगवान के अभिषेक के लिए था, आपने इसे एक पशु को क्यों दे दिया?" संत एकनाथ ने शांत स्वर में उत्तर दिया, "जिस भगवान के लिए मैं यह जल ले जा रहा था, वही तो इस प्यासे जीव में भी विराजमान हैं।" यह कथा हमें बताती है कि प्रकृति और जीव-जगत के प्रति करुणा ही सच्ची भक्ति है। इसी प्रकार श्रीकृष्ण और गोवर्धन पर्वत की कथा भी प्रकृति के सम्मान का संदेश देती है। ब्रज में लोग इन्द्र की पूजा करते थे, परंतु श्रीकृष्ण ने समझाया कि हमें उस प्रकृति का सम्मान करना चाहिए जो हमें प्रत्यक्ष जीवन देती है जैसे गो, पर्वत, वन और जल। कृष्ण के कहने पर ब्रजवासियों ने गोवर्धन पर्वत की पूजा की। इससे क्रोधित होकर इन्द्र ने भयंकर वर्षा कर दी, परंतु श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर पूरे ब्रज की रक्षा की। यह कथा बताती है कि प्रकृति का सम्मान ही सच्ची पूजा है। गीता भी हमें इसी समदृष्टि की शिक्षा देती है, "विद्या-विनय-सम्पन्ने ब्राह्मणे गवि हस्तिनि। शुनि चैव श्वपाके च पण्डिताः समदर्शिनः॥" (5.18) अर्थात् ज्ञानी व्यक्ति, ब्राह्मण, गाय, हाथी, कुत्ते और चांडाल सबमें एक ही आत्मा का दर्शन करता है। जब मनुष्य इस समदृष्टि को समझ लेता है, तब वह प्रकृति और जीव-जगत का शोषण नहीं करता, बल्कि संरक्षण करता है।

आज आवश्यकता है कि हम गीता के इस संदेश को केवल ग्रंथों तक सीमित न रखें, बल्कि अपने दैनिक जीवन में उतारें। जल बचाना, वृक्ष लगाना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना और प्रकृति के प्रति संवेदनशील होना, ये छोटे-छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पंच परिवर्तन इसी दिशा में समाज को प्रेरित करता है कि प्रत्येक नागरिक प्रकृति के संरक्षण को अपना व्यक्तिगत कर्तव्य माने। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद कहते हैं कि गीता का संदेश स्पष्ट है ; मनुष्य प्रकृति का स्वामी नहीं बल्कि उसका संरक्षक है। जब हम प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीते हैं, तब केवल पर्यावरण ही नहीं बचता बल्कि मानव सभ्यता का भविष्य भी सुरक्षित रहता है। आज के पर्यावरण संकट के युग में भगवद्गीता का यह शाश्वत संदेश पहले से भी अधिक प्रासंगिक हो गया है, "प्रकृति के साथ समरसता ही मानव जीवन की सच्ची प्रगति है।"

(लेखक जीओ गीता के उपाध्यक्ष हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

वैयक्तिक अहंकार से प्रगति रुक जाती है

संकलित

दर्शन

निरन्तर विकसित होते रहना यह जीवन धर्म है। प्रगति जीवन के अस्तित्व की सूचक है। जहां जीवन है वहां प्रगति है, विकास है। जड़ता में जीवन कहां ? मानव ही नहीं पशु पक्षियों में भी विकास की प्रक्रिया गतिमान रहती है। मानव की विकास प्रक्रिया में एक विशेषता है कि वह अपने विकास को सम्यक दिशा दे सकता है। अक्सर प्रत्येक व्यक्ति अपना श्रेष्ठ विकास ही चाहता है किन्तु फिर भी वह उसे पाने में असफल रहता है तो उसका सबसे बड़ा कारण होता है अहंकार। अहंकार व्यक्ति को सही दिशा में बढ़ने नहीं देता। मानव उस दिशा में दो कदम बढ़ा भी देता है तो उसका अहंकार आकर खड़ा हो जाता है। और वो आगे बढ़े हुए कदम वापस पीछे ले जाता है । अर्हम को प्राप्त करने के लिये अहं का त्याग करना होगा। अर्हम परमात्मा का वाचक शब्द है। हम इसके उपासक हैं किन्तु अहम का त्याग किये बिना अर्हम की आराधना कैसे होगी ? आज अधिकांश व्यक्ति बहुत अधिक महत्वाकांक्षी हो गये हैं उन्हें अपनी पूछ और इज्जत चाहिये किन्तु वे औरों को इज्जत नहीं देना चाहते। यह अहंकार ही हमारी सारी विकास योजनाओं को असफल किये जा रहा है। हम ऊंचा लक्ष्य रख कर आगे बढ़ें, यह बुरा नहीं किन्तु अहंकार को छोड़े बिना उस लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो सकती।

-संकलन-कांतिलाल मांडोत

गुरु नानक जी के आशीर्वाद का रहस्य

संकलित

प्रेरणा

एक बार गुरु नानक देव जी अपने शिष्यों के साथ एक ऐसे गांव में पहुंचे जहां के लोग साधु-संन्यासी लोगों को बिल्कुल भी पसंद नहीं करते थे। गुरु नानक जी वहां गए तो उनसे भी वहां के लोगों ने ऐसा ही व्यवहार किया। जब वो परेशान होकर उस गांव से जाने लगे तो गांव के लोगों ने कहा कि, महात्माजी कुछ आशीर्वाद तो देते जाइए। गुरु नानक थोड़ी देर तक हंसते रहे फिर बोले, खूब आबाद रहो। इसके बाद वो आगे बढ़ गए। इस बीच कुछ गांव के लोग भागते हुए वहां पहुंचे। सभी उनकी सेवा करने लगे। उन्होंने फिर से गुरुनानक जी से आशीर्वाद मांगा। तब उन्होंने कहाः सभी उजड़ जाओ। गुरु नानक के ऐसे अटपटे आशीर्वाद से परेशान होकर एक व्यक्ति ने उनसे पूछाः महात्मा जी! जिन लोगों ने अतिथि धर्म का तिरस्कार किया उन्हें आपने आबाद रहने का और जो लोग आपकी सेवा में आए उन्हें उजड़ने का आशीर्वाद क्यों दिया। गुरु नानक जी ने उस व्यक्ति से कहा किः सज्जन व्यक्ति जहां जाता है वो वहां अपनी अच्छाइयों को ले जाता है। यह दुर्जन से बेहतर होता है। इसलिए मैंने पहले जब वो दुर्जन थे तो उन्हें एक जगह आबाद रहने का आशीर्वाद दिया और जब वो सज्जन बन गए और मेरे पास आशीर्वाद लेने आए तो मैनें उन्हें उजड़ने यानी समाज में अच्छाई फैलाने का आशीर्वाद दिया।

अंतर्मन

आज की पाती

युद्ध से त्रासदीपूर्ण मानवीय जीवन

दुनिया में किसी भी देश के लिए चाहे वह सत्य के लिए लड़ रहा हो या असत्य के लिए लड़ रहा हो, युद्ध की विभीषिकाएं कभी भी किसी भी देश के मानवीय जीवन के लिए वरदान साबित नहीं हुई हैं। धर्म और अधर्म के नाम पर दुनिया को महाभारत काल में रक्तरंजित कर लाखों शूरवीरों को लीलने वाला कौरव-पांडवों का दिल दहला देने वाला दारुण युद्ध दुनिया के देशों के सामने सबसे बड़ा उदाहरण है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। आज एक बार फिर दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की कगार पर खड़ी है। दुनिया में रूस-यूक्रेन युद्ध वर्षों से बिना नतीजे के अब तक जारी है और हाल ही में डेढ़ सप्ताह से ईरान-इजराइल और अमेरिकी युद्ध छिड़ जाने से एक बार फिर तीसरे महायुद्ध के बादल मंडराने लग गए हैं। युद्ध की विभीषिका से मध्यपूर्व के देशों की हालत बेहद खराब हो रही है।

- रविन्द्र उपाध्याय, धमतरी

करंट अफेयर

अमेरिका के नेब्रास्का राज्य ने दीपावली को मान्यता दी

अमेरिका के नेब्रास्का राज्य की विधायिका ने दीपावली उत्सव को मान्यता देने वाला एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसे सिएटल स्थित भारतीय मिशन ने राज्य के हिंदू समुदाय के लिए एक ''ऐतिहासिक' कदम बताया है। यह प्रस्ताव राज्य सीनेटर जॉन फ्रेडरिकसन द्वारा प्रायोजित किया गया था और 31 मार्च को स्पीकर जॉन आर्च ने इस पर हस्ताक्षर किए। सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने एक बयान में कहा कि इस प्रस्ताव को अपनाया जाना अमेरिका के मध्य पश्चिमी क्षेत्र में भारतीय प्रवासी समुदाय के लिए एक 'ऐतिहासिक' घटना है और 'कॉर्नहस्कर स्टेट' (नेब्रास्का का आधिकारिक उपनाम) में रहने वाले लगभग 9,000 हिंदुओं के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि फ्रेडरिकसन लंबे समय से हिंदू समुदाय के समर्थक रहे हैं और मंदिरों के कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लेते रहे हैं। उनके निर्वाचन क्षेत्र में 1993 में स्थापित 'हिंदू टेम्पल ऑफ ओमाहा' स्थित है। इस प्रस्ताव के तहत इस वर्ष 20 अक्टूबर को राज्यपाल जिम पिलेन द्वारा गवर्नर हाउस में भव्य दीपावली समारोह आयोजित करने की भी योजना है। भारतीय मिशन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'नेब्रास्का में दीपावली की ऐतिहासिक विधायी मान्यता।

ऑफ बीट

22 मिनट का व्यायाम करेगा स्वास्थ्य जोखिमों को कम

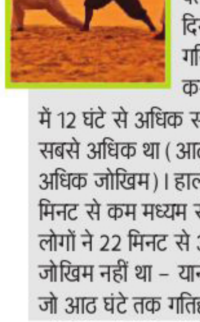

विकसित देशों में लोग प्रतिदिन औसतन नौ से दस घंटे बैठे रहते हैं। चाहे वह कंप्यूटर के सामने समय बिताना हो, ट्रैफिक में फंसना हो, या टीवी के सामने आराम करना हो, हमारा जीवन तेजी से गतिहीन हो गया है। यह चिंताजनक है क्योंकि लंबे समय तक बैठे रहने से मोटापा, हृदय रोग और कुछ प्रकार के कैंसर सहित कई स्वास्थ्य समस्याएं जुड़ी होती हैं। ये स्वास्थ्य समस्याएं शीघ्र मृत्यु का कारण बन सकती हैं। एक नए अध्ययन से पता चला है कि 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए, दिन में केवल 22 मिनट व्यायाम करने से अत्यधिक गतिहीन जीवन शैली से समय से पहले मौत का खतरा कम हो सकता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग दिन में 12 घंटे से अधिक समय तक गतिहीन रहते थे, उनमें मृत्यु का जोखिम सबसे अधिक था (आठ घंटे तक गतिहीन रहने वाले लोगों की तुलना में 38% अधिक जोखिम)। हालाँकि, यह केवल उन लोगों में देखा गया जो प्रतिदिन 22 मिनट से कम मध्यम से तीव्र शारीरिक गतिविधि करते थे। इसलिए जिन लोगों ने 22 मिनट से अधिक व्यायाम किया, उनके लिए अब कोई महत्वपूर्ण जोखिम नहीं था - यानी, जोखिम आम तौर पर उन लोगों के समान हो गया जो आठ घंटे तक गतिहीन थे।

ट्रेंड

स्व-गणना प्रपत्र

जनगणना के पहले चरण के अंतर्गत, शुरू हो रही 'हाउस लिस्टिंग' प्रक्रिया के तहत, मैंने स्व-गणना प्रपत्र भरा। यह प्रक्रिया भारत के विकास पथ को गति देने और यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी कि सरकारी योजनाएं प्रत्येक नागरिक तक प्रभावी ढंग से पहुंचें।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

भारतीयों की रक्षा

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच खाड़ी देशों में रह रहे भारतीयों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। हम अपने नागरिकों की रक्षा और सुरक्षा के लिए हर कदम उठाने में न केवल सक्षम हैं, बल्कि तैयार भी हैं। साथ ही, भारत किसी भी ऊर्जा संकट से निपटने में सक्षम है

- राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

नवाचार समावेशी

जब नवाचार समावेशी होता है, तो उसके सबसे बड़े लाभार्थी उसके नेतृत्वकर्ता बनते हैं। भारत की महिलाएं इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। भारत में महिलाओं द्वारा दायर पेटेंट की संख्या सालाना 100 से बढ़कर 5,000 से अधिक हो चुकी है।

-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय महिला विकास मंत्री

ममता ही जीतेंगी

भाजपा बंगाल में चाहे कितने घपले कर ले पर वो वहां पक्का हारेगी। ममता दीदी की लोकप्रियता और जनसेवा के आगे भाजपाई सिर्फ बुरी हार से बचने का ही प्रबंध कर सकते हैं, और कुछ नहीं।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

रॉयल पत्रिका

आपदा प्रबंधन पर सख्ती: अर्ली वार्निंग सिस्टम और मजबूत तैयारियों से कम होगा नुकसान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रदेश में आपदाओं से आमजन को सुरक्षित रखने के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करने, शहरी जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने और प्रभावित नागरिकों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय पर चेतावनी और बेहतर समन्वय से आपदा के दौरान नुकसान को प्रभावी रूप से कम किया जा सकता है। सचिवालय में आयोजित राज्य कार्यकारी समिति (एसईसी) की बैठक में राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि (एसडीएमएफ) सहित विभिन्न प्रस्तावों की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टर्स को अपने क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ड्रेनेज, प्रोटेक्शन वॉल और अन्य संरचनात्मक कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराने पर जोर दिया, ताकि स्थानीय स्तर पर जोखिम कम किया जा सके। आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा विभाग को चयनित जिलों में अर्ली वार्निंग सिस्टम शीघ्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए, जिससे बाढ़ संभावित क्षेत्रों में समय रहते चेतावनी जारी की जा सके। जयपुर सहित प्रमुख शहरों में शहरी बाढ़ प्रबंधन कार्यों को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने जलभराव और ड्रेनेज से जुड़ी समस्याओं के दीर्घकालिक समाधान पर बल दिया। कृषि क्षेत्र को लेकर मुख्य सचिव ने फार्म पॉण्ड, सिंचाई पाइपलाइन, ड्रिप एवं मिनी स्प्रिंकलर और वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं के माध्यम से जल संरक्षण को बढ़ावा देने के निर्देश दिए, जिससे किसानों को राहत मिल सके। वहीं, राज्य कृषि विपणन बोर्ड को मंडियों में शेड निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के लिए कहा गया, ताकि प्रतिकूल मौसम में किसानों और व्यापारियों को सुविधा मिल सके। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को प्रमुख अस्पतालों में फायर सेफ्टी ऑडिट और आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। स्वायत्त शासन विभाग को शहरी क्षेत्रों में ड्रेनेज एवं बाढ़ नियंत्रण कार्य समयसीमा में पूर्ण करने तथा डीएमआईएस 2.0 जैसी तकनीक आधारित प्रणालियों को लागू करने पर जोर दिया गया। मुख्य सचिव ने यह भी निर्देश दिए कि आपदा प्रभावित नागरिकों और किसानों को एसडीआरएफ के अंतर्गत त्वरित राहत राशि समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जाए। सभी कार्य एसडीएमएफ के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ किए जाएं तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माध्यम से उनकी नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए। बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जबकि जिला कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

विकसित ग्राम-वार्ड अभियान में डिजिटल मैपिंग को बढ़ावा, पीएम गतिशक्ति से रीयल टाइम मॉनिटरिंग संभव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित ग्राम-विकसित वार्ड अभियान के अंतर्गत स्थानीय लोगों से सुझाव लेते हुए वर्ष 2030, 2035 एवं 2047 तक की आवश्यकताओं के अनुरूप गांव एवं शहरों के विकास का मास्टर प्लान एवं रोडमैप तैयार किया जा रहा है। मैपिंग इस अभियान का अत्यंत महत्वपूर्ण स्तभ है। उन्होंने इस अभियान की डिजिटल मैपिंग के लिए भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान (बीआईएसएजी-एन) से सहयोग लेते हुए ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर बीआईएसएजी (एन) द्वारा विभिन्न विभागीय परियोजनाओं में डिजिटल मैपिंग को बढ़ावा देने के संबंध में बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि विकसित ग्राम-विकसित वार्ड अभियान में इस तकनीक से गांवों और शहरों की वास्तविक जरूरतों को समझकर योजना तैयार करने में मदद मिलेगी। साथ ही, क्षेत्र विशेष की मूलभूत आवश्यकताओं को समझते हुए प्लानिंग बनाने में यह सहायक होगा। उन्होंने अधिकारियों को अभियान के तहत डिजिटल मैपिंग का अधिक से अधिक उपयोग करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि 19 मार्च से 15 मई तक संचालित इस अभियान के अंतर्गत 14 हजार से अधिक ग्राम पंचायत एवं 10 हजार से अधिक शहरी वार्ड शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआईएसएजी (एन) द्वारा पीएम गतिशक्ति के तहत विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एकीकृत किया जा रहा है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से सभी विभागों की परियोजनाओं को एकीकृत करके कार्यों की रीयल टाइम मॉनिटरिंग संभव है, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी, सिस्टम में पारदर्शिता बढ़ेगी एवं संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव हो सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्लेटफॉर्म का प्रयोग करते हुए परियोजनाओं में विकास से लेकर क्रियान्वयन तक हर स्तर पर इसका उपयोग किया जाए। बैठक में बीआईएसएजी (एन) के महानिदेशक टीपी सिंह ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि बीआईएसएजी (एन) द्वारा जीआईएस आधारित तकनीक का उपयोग करते हुए डेटा इंटीग्रेशन तथा बुनियादी ढ़ाचे से जुड़ी योजनाओं की सटीक लोकेशन सहित विभिन्न विकास कार्यों की मैपिंग का कार्य किया जाता है। इसके माध्यम से देशभर में सड़क, रेल, ऊर्जा, जल और शहरी विकास से जुड़ी परियोजनाओं से एक ही प्लेटफॉर्म पर देखने के साथ ही समन्वित भी किया जा रहा है। इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सोडाला: सेवायतन अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान महिला की मौत, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका ब्यूरो)। सोडाला क्षेत्र स्थित 'सेवायतन अस्पताल' में ऑपरेशन के दौरान कथित चिकित्सकीय लापरवाही से एक महिला की मौत का गंभीर मामला सामने आया है। मृतका की पहचान शशि के रूप में हुई है। घटना के बाद से परिजनों में भारी आक्रोश है और उन्होंने अस्पताल प्रशासन पर घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, शशि को इलाज के लिए सेवायतन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान हालत बिगड़ने और डॉक्टरों की उचित देखभाल न मिलने के कारण शशि की जान चली गई।

तीन मासूम बच्चों के सिर से उठा मां का साया

इस दुखद घटना ने एक परिवार को पूरी तरह तोड़ कर रख दिया है। शशि के पति का वर्ष 2019 में ही निधन हो चुका था और वह अकेले ही संघर्ष कर अपने तीन नाबालिग बच्चों का पालन-पोषण कर रही थीं। अब मां की मौत के बाद इन तीनों अनाथ बच्चों के सामने जीवन का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। परिजनों और स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है।

शिक्षा मंत्री ने किया 12वीं और 10वीं के टॉपर्स का सम्मान

-प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर सरकार प्रतिबद्ध :शिक्षा मंत्री

जयपुर । राज्य सरकार के शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर गुरुवार को राजसमंद जिले के दौरे पर रहे। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए उनका सम्मान किया। सुबह सर्किट हाउस, राजसमंद में दिलावर ने विभिन्न राजकीय विद्यालयों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उपरना ओढ़ाकर उनकी उपलब्धियों की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण ही उन्हें सफलता के शिखर तक पहुँचाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम करने तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। शिक्षा मंत्री ने कक्षा 12 वीं कला में 98.40 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्रा माया मेघवाल, कक्षा 10 वीं में 97.67 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्रा मनीषा खरवड, कक्षा 10 वीं में 97.5 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्रा किंजल सेन, कक्षा 12 वीं विज्ञान में 96.60 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्र प्रेम सिंह चुंडावत, कक्षा 12 वीं विज्ञान में 96.60 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्र पीयूष पालीवाल, कक्षा 12 वीं वाणिज्य में 88.20 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्र विकास जाट से आत्मीय मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया। अधिकारियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों की भी उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सफलता में शिक्षकों और परिवार का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने एवं विद्यार्थियों को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने हेतु निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया। इस दौरान शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

द्रव्यवती नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए सख्ती, 5 दिन में बनेगी कार्ययोजना

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । भजन लाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में राज्य सरकार ने द्रव्यवती नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक गुप्ता ने शुक्रवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नदी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बम्बाला पुलिया से स्वर्ण जयंती पार्क तक नदी के विभिन्न हिस्सों का जायजा लेकर व्यवस्थाओं का आकलन किया। इस दौरान जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी भी मौजूद रहे। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि आगामी 5 दिनों में जयपुर शहर का समग्र सर्वे कर द्रव्यवती नदी में प्रदूषण कम करने के लिए ठोस और प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि जिन नालों को बंद किया जा सकता है, उन्हें प्राथमिकता से चिन्हित कर तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। उन्होंने नदी के रख-रखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए मेंटेनेंस कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही नदी किनारे बने शौचालयों और वॉक-वे की साफ-सफाई एवं रख-रखाव को बेहतर बनाने के निर्देश भी दिए गए। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि द्रव्यवती नदी को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इस दिशा में सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी।

NSUI का राजस्थान विश्वविद्यालय में विशाल प्रदर्शन

हरि चौधरी

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर NSUI द्वारा विशाल धरना-प्रदर्शन किया गया, जिसमें भारी संख्या में छात्र और नेता जुटे। राजस्थान यूनिवर्सिटी में RSS और राजस्थान यूनिवर्सिटी प्रशासन के ख़िलाफ़ प्रदर्शन किया था। छात्र नेताओं का कहना - RSS के द्वारा राजस्थान यूनिवर्सिटी में सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम करवा कर शिक्षा व्यवस्था को बिगाड़ने का काम हो रहा है RSS एक ऐसी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है जो संविधान, महिला अधिकारों, आरक्षण और सामाजिक समानता के खिलाफ है। ऐसे संगठनों का विश्वविद्यालय जैसे शैक्षणिक परिसरों में कोई कार्य नहीं है। प्रदर्शन के दौरान वियोन जाट, महेश चौधरी विजयपाल कुड़ी और कार्तिकेय भारद्वाज जैसे अनेक कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड्स पर चढ़कर नारेबाजी की। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। NSUI कार्यकर्ताओं के द्वारा विरोध किए जाने पर पुलिस प्रशासन ने सभी NSUI कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर प्रदर्शन को शांत किया।

जयपुर में हर घर तक पहुंचे पीएनजी सुविधा, उपभोक्ताओं को मिले राहत

- जिला कलक्टर संदेश नायक ने अधिकारियों को किया निर्देशित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप स्वच्छ, सुरक्षित एवं सतत ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जयपुर जिले में पीएनजी कनेक्शन के विस्तार को लेकर प्रशासन ने निर्णायक पहल की है। इसी क्रम में जिला कलेक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई, जिसमें कमर्शियल, इंडस्ट्रियल एवं डोमेस्टिक उपभोक्ताओं को पीएनजी से जोड़ने की दिशा में रणनीतिक निर्णय लिए गए। बैठक में जिला कलेक्टर संदेश नायक ने स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य एलपीजी पर निर्भरता को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर अधिक सुरक्षित, किफायती और पर्यावरण अनुकूल पीएनजी को आमजन तक पहुंचाना है। उन्होंने गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि वे पीएनजी कनेक्शन के लाभों—जैसे निरंतर आपूर्ति, उच्च सुरक्षा मानक और लागत में बचत—के बारे में आम उपभोक्ताओं के बीच व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन उपभोक्ताओं के पास एलपीजी और पीएनजी दोनों प्रकार के कनेक्शन हैं, वे आगामी तीन माह के भीतर एलपीजी कनेक्शन को सरेंडर करें, ताकि संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सके और पीएनजी प्रणाली को मजबूती मिले। जिला कलेक्टर ने पीएनजी कनेक्शन जारी करने की प्रक्रिया को सहज, सरल और त्वरित बनाने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की अनावश्यक जटिलता का सामना नहीं करना चाहिए। उन्होंने गैस पाइपलाइन बिछाने के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन का कार्य पूर्ण हो चुका है, वहां प्राथमिकता के आधार पर कनेक्शन जारी किए जाएं। इसके साथ ही उन्होंने लंबित आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के लिए समयबद्ध कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए, ताकि इच्छुक उपभोक्ताओं को बिना देरी के सुविधा मिल सके। शहरी आवासीय क्षेत्रों में पीएनजी के विस्तार को गति देने के लिए जिला कलेक्टर ने फ्लैट्स, अपार्टमेंट्स एवं मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग्स की रेजिडेंशियल वेलफेयर सोसाइटी के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे सामूहिक रूप से पीएनजी कनेक्शन लेने की पहल करें। इससे न केवल सुविधा बढ़ेगी बल्कि सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से भी यह एक सकारात्मक कदम साबित होगा। उन्होंने गैस कंपनियों को निर्देशित किया कि वे उपभोक्ताओं के बीच जाकर पीएनजी की सुरक्षा, विश्वसनीयता और उपयोग में सरलता के बारे में जानकारी दें तथा उन्हें इस आधुनिक सुविधा को अपनाने के लिए प्रेरित करें।

अजमेर में आउटर रिंग रोड को लेकर पहल तेज, जल्द मिल सकती है केंद्रीय मंजूरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से नई दिल्ली में मुलाकात कर अजमेर शहर में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने के लिए प्रस्तावित आउटर रिंग रोड के निर्माण की मांग रखी। उन्होंने इस संबंध में विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए बताया कि पूर्व में भी इस विषय में निवेदन किया जा चुका है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के बजट में अजमेर शहर के लिए आउटर रिंग रोड की डीपीआर तैयार करने हेतु 3 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी जा चुकी है। सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 892 करोड़ रुपए की विस्तृत योजना तैयार की गई है। अजमेर और पुष्कर की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना को शीघ्र केंद्रीय स्वीकृति देने का आग्रह किया गया। उन्होंने बताया कि अजमेर धार्मिक एवं प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है, जहां ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह सहित कई प्रमुख स्थल स्थित हैं। इसके साथ ही यहां कई राज्य स्तरीय विभागों के मुख्यालय भी संचालित हैं, जिससे यातायात का दबाव लगातार बढ़ रहा है। वर्तमान में अजमेर से प्रतिदिन लगभग 800 रोडवेज बसों का संचालन होता है, जिससे हजारों यात्रियों का आवागमन होता है। पर्यटन सीजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक यहां पहुंचते हैं, जिससे यातायात व्यवस्था और अधिक प्रभावित होती है। भारी वाणिज्यिक वाहनों की आवाजाही भी शहर की सड़कों पर अतिरिक्त दबाव बना रही है। केंद्रीय मंत्री ने इस प्रस्ताव पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया है। आउटर रिंग रोड के निर्माण से शहर के भीतर यातायात दबाव में कमी आएगी और पर्यटन व शहरी विकास को भी नई दिशा मिलेगी। इसके साथ ही अजमेर और पुष्कर की कनेक्टिविटी बेहतर होगी तथा विकास को गति मिलेगी। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा एवं वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी से भी मुलाकात कर अजमेर में स्वास्थ्य सेवाओं के विकास सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

एसआई भर्ती परीक्षा-2025 निर्धारित तिथि एवं समय पर आयोजित होगी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 5 एवं 6 अप्रैल 2026 को आयोजित की जाने वाली एसआई भर्ती परीक्षा-2025 तय समय और तिथि पर ही आयोजित होगी। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने 2 अप्रैल को जारी अपने आदेश में संशोधन करते हुए एसआई भर्ती परीक्षा-2021 के सभी अभ्यर्थियों को शामिल करने वाले पहले के आदेश को केवल उन अभ्यर्थियों तक सीमित कर दिया है जिन्होंने न्यायालय में प्रार्थना-पत्र दायर किया था। सर्वोच्च न्यायालय के इस संशोधित आदेश के बाद आयोग ने स्पष्ट किया कि परीक्षा में अब कोई तकनीकी बाधा नहीं है और इसे नियत तिथि पर आयोजित किया जाएगा। आयोग सचिव ने बताया कि परीक्षा संचालन सुचारू और निर्धारित समय पर होगा। पैरवी अधिवक्ताओं युवराज सामंत, नेहा अमोला और तिलक द्वारा आयोग की ओर से मामले की पैरवी की गई। इस प्रकार अभ्यर्थियों को अपनी तैयारी जारी रखनी होगी और परीक्षा में शामिल होने के लिए निर्धारित समय पर उपस्थित होना आवश्यक है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास का आरयूएचएस दौरा, रिम्स परियोजना में तेजी लाने के निर्देश

जयपुर । मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल पर आरयूएचएस अस्पताल को एम्स की तर्ज पर रिम्स के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को आरयूएचएस अस्पताल का दौरा किया और देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों के विषय विशेषज्ञों एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ रिम्स के विकास पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बजट घोषणा के अनुरूप रिम्स के कार्य में तेजी लाकर जल्द से जल्द इसका कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह संस्थान प्रदेश में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं, चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान एवं शोध को नई दिशा देगा। मुख्य सचिव ने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल में अत्यधिक रोगीभार को देखते हुए आरयूएचएस को एक विश्वस्तरीय चिकित्सा संस्थान के रूप में विकसित किया जाना राज्य सरकार का चिकित्सा सुविधाओं के उन्नय की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान के विकास में आ रही तमाम बाधाओं को जल्द से जल्द दूर किया जाए। सभी प्रकार की स्वीकृतियां जल्द प्राप्त की जाएं। यहां चरणबद्ध रूप से आधारभूत सुविधाओं, उपकरणों की खरीद, विशेषज्ञ सेवाओं के विस्तार को मिशन मोड में पूरा किया जाए। रिम्स की स्थापना से संबंधित नियमों को जल्द अधिसूचित किए जाने के भी उन्होंने निर्देश दिए।

साप्ताहिक एवं मासिक लक्ष्य तय कर दें काम को गति

मुख्य सचिव ने कहा कि रिम्स के विकास के लिए साप्ताहिक एवं मासिक लक्ष्य तय कर उनके आधार पर काम को गति दी जाए। उन्होंने इसका विस्तृत प्लान जल्द तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रिम्स को पूरी तरह डिजिटल प्रणाली पर विकसित किया जाए, ताकि रोगियों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त करने में सुगमता हो। बैठक में एम्स के डॉ. रमेश अग्रवाल, डॉ. संजीव लालवानी, डॉ. अशोक जारयाल, डॉ. राजेश खड़गावत, मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. एमके आसेरी सहित अन्य विशेषज्ञों ने रिम्स के विकास को लेकर अपने सुझाव दिए। उन्होंने आरयूएचएस के विकास को लेकर विभिन्न तकनीकी पक्षों पर अपने विचार रखे।

रोगी एवं परिजनों से संवाद कर लिया फीडबैक

इससे पहले मुख्य सचिव ने आरयूएचएस अस्पताल का दौरा कर वहां उपलब्ध करवाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया। मुख्य सचिव ने ओपीडी, आईपीडी, आईसीयू सहित अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान रोगियों एवं उनके परिजनों से संवाद कर स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि विगत समय में आरयूएचएस अस्पताल में सुविधाओं के विस्तार एवं उन्नयन से यहां ओपीडी एवं आईपीडी में रोगी भार पहले की तुलना में काफी बढ़ा है। अब यहां कई प्रकार की विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं। बैठक में चिकित्सा शिक्षा आयुक्त बाबूलाल गोयल, कृषि आयुक्त नरेश गोयल, मुख्य सचिव कार्यालय में विशेषाधिकारी गरिमा नरूला, आरयूएचएस के कुलगुरू डॉ. प्रमोद येवले, सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, आरयूएचएस के प्रधानाचार्य डॉ. विनोद जोशी, अधीक्षक डॉ. अनिल गुप्ता, स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के अधीक्षक डॉ. संदीप जसूजा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राजस्थान विश्वविद्यालय में आयोजित संगोष्ठी में महवा की डॉ. राजरानी सोनी द्वारा लिखित पुस्तक का किया विमोचन

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के दादू अध्ययन प्रकोष्ठ हिंदी विभाग की ओर से दो दिवसीय आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "दादूपंथी साहित्य चिंतन के विविध आयाम" संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम के दूसरे दिन तकनीकी सत्र में महुवा निवासी डॉ. राजरानी सोनी द्वारा लिखित पुस्तक "जैनेंद्र कुमार के उपन्यासों में नारी अस्मिता" का विमोचन किया गया। कार्यक्रम सत्र अध्यक्ष हेतु भारद्वाज ने इस पुस्तक की शोधप्रख्याता, भाषा शैली तथा विषय की समकालीन प्रासंगिकता की सराहना की। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि पुस्तक जैनेंद्र साहित्य को नारी पक्ष को समझने में उपयोगी सिद्ध होगी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरिदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर एन के पाण्डेय, अतिथि के रूप में मदन मोहन महाराज, वैध हरिदास एवं डॉ. अखिल शुक्ला ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी साहित्यकार डॉ. हेतु भारद्वाज जी ने की। कार्यक्रम में स्वागत भाषण स्वामी रामसुख़ दास महाराज ने दिया। कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ. मीता शर्मा जी व डॉ. जीतेन्द्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. राजरानी सोनी विगत 11 वर्षों से निरंतर अध्यापन कार्य में संलग्न हैं। यह पुस्तक महुआ निवासी डॉक्टर राजरानी सोनी द्वारा लिखी गई दूसरी पुस्तक के रूप में विमोचित की गई है। डॉ. राजरानी वर्तमान में टीकाराम पालीवाल राजकीय महाविद्यालय मण्डावर में हिंदी विषय की सहायक आचार्य के रूप में कार्यरत हैं।

एपिएस अकैडमी प्ले स्कूल के उद्घाटन पर कहा शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी बेहद जरूरी : विधायक हरलाल सहारण

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अग्रसेन नगर में शुक्रवार को अंग्रेजी माध्यम शिक्षण संस्था एपीएस एकेडमी का भव्य उद्घाटन विधायक हरलाल सहारण ने फीता काटकर एवं नन्हीं बालिका को तिलक लगाकर किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विधायक सहारण ने वर्तमान समय में संस्कृति-परक शिक्षा की महत्ता पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. महेश मोहन पुकार, जनसंपर्क विभाग के उपनिदेशक कुमार अजय, शिक्षाधिकारी बृजेंद्र दाधीच तथा कैप्टन के.के. शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रसेन समग्र विकास समिति के अध्यक्ष बनवारी लाल शर्मा ने की। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद नया प्रवेश लेने वाली बालिका निर्वी महर्षि को तिलक लगाकर विद्यालय का औपचारिक शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि विधायक हरलाल सहारण ने अपने संबोधन में कहा कि आज के दौर में शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का समावेश अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विश्वास जताया कि एपीएस एकेडमी न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करेगी, बल्कि विद्यार्थियों में

सांस्कृतिक मूल्यों का भी विकास करेगी। उन्होंने विद्यालय के संचालक एल.एन. इंदौरिया को बधाई देते हुए कहा कि पिछले 30 वर्षों से शिक्षा क्षेत्र में उनका योगदान सराहनीय रहा है और यह नई पहल भी आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का प्रसार करेगी। जनसंपर्क विभाग के उपनिदेशक कुमार अजय ने कहा कि भारत की शिक्षा प्रणाली अन्य देशों की तुलना में निरंतर प्रगति कर रही है और इस प्रकार के संस्थान बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि युद्धों से भरे इस निर्मम समय में हर रचनात्मक शुरुआत एक उम्मीद, भरोसे और सृजन का प्रतीक है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. महेश मोहन पुकार ने विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।शिक्षाधिकारी बृजेंद्र दाधीच एवं बनवारी लाल शर्मा ने मूल्य-आधारित शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों एवं अभिभावकों ने विद्यालय परिसर का अवलोकन किया और कक्षा-कक्ष, खेल सुविधाएं, पेयजल, शौचालय, किचन तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं की सराहना की। बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा देने की आधुनिक पद्धतियों को भी सराहा गया। अंत में विद्यालय के संरक्षक बनवारी लाल इंदौरिया ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका अंकिता कोकचा ने किया। इस अवसर पर सिद्धि इंदौरिया, मनमोहन महर्षि, दलीप पूनिया, रामसिंह सिहाग, राजीव शर्मा, एडवोकेट योगेश शर्मा, नानू राम गोस्वामी, गजेंद्र महर्षि, चंद्रकांत शर्मा, दीपक शर्मा, शिक्षाविद रवि दाधीच, एडवोकेट मुकेश पीथीसरिया, कमल महर्षि, मीना शर्मा, किरण चोपड़ा सोनू पवार, ज्योति कुमारी, पूजा शर्मा, किशन उपाध्याय, ललित चौहान, संजय गोयल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

आंधी हो या तूफान डटे रहे बरसात में भी कलम दार

मोहम्मद अली पठान

जयपुर/चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में चल रहे धरने को एक हफ्ता हो गए लेकिन राजस्थान सरकार की संवेदनहीनता की भी हद हो गयी..., लेकिन लगता है इस सरकार ने तो उसे भी पार कर लिया है। प्रदेश का "राजा" सत्ता के महलों में इतना मशगूल है कि उसे सड़क पर बैठे कलमकार दिखाई ही नहीं दे रहे। जिनकी कलम से सच निकलता है, आज वही सच लिखने वाले धूल और धूप में बैठकर न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं... और सरकार है कि कानों में रूई ठूंसकर बैठी है। उधर देखिए, देवताओं के राजा इंद्र और पवन देव तक बेचैन हो उठे हैं। कभी तेज आंधी भेजते हैं, कभी तूफान... शायद ये सोचकर कि इन कलमकारों को घर लौट जाना चाहिए। पर उन्हें भी क्या पता, ये कोई आम भीड़ नहीं... ये वो लोग हैं जिनकी जिद इतिहास बदल देती है। प्रकृति भी आजमाकर थक जाएगी, लेकिन ये कलमकार नहीं झुकेंगे। सबसे बड़ा व्यंग्य तो ये है कि समझाने की जिम्मेदारी आसमान उठा रहा है... और जमीन पर बैठा "राजा" अब भी अज्ञान में डूबा है। सवाल सिर्फ इतना है — आखिर इस सत्ता के मद में चूर राजा की आंखें कब खुलेंगी? आंधी आए, तूफान आए, सूरज आग उगले या हालात और कठिन हों... ये कलमकार डटे रहेंगे। क्योंकि ये लड़ाई सिर्फ अपने हक की नहीं, बल्कि उस सच की है जिसे दबाने की हर कोशिश नाकाम होगी। सरकार सुन ले - कलम कभी ना तो झुकी है और ना रुकी हैं। जब तक न्याय नहीं मिलेगा, तब तक ये कलम रुकेगी भी नहीं!

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत बोले- युवाओं के भीतर सकारात्मक प्रेरणा जगा रहा है प्रजापति समाज

-प्रजापति समाज की 185 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

मोहम्मद यासीन

सिरोही (रॉयल पत्रिका)। समाज की प्रतिभाओं के सम्मानित करना उनके भीतर सकारात्मक प्रेरणा जगाने का उत्कृष्ट प्रयास प्रजापति समाज कर रहा है। जब हम किसी व्यक्ति की मेहनत और उपलब्धियों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करते हैं तो हम सिर्फ उसका मनोबल नही बढ़ाते, बल्कि समाज के अन्य लोगों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। यह बात राजस्थान सरकार के पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने सिरोही में शुक्रवार को प्रजापति समाज की प्रतिभाओं के सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कही। मारू प्रजापति विकास एवं सेवा संस्थान समस्त सोलह परगना की ओर से यादे माता का दो दिवसीय वार्षिक मेले के समापन समारोह में संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री कुमावत ने सम्मानित हुई प्रतिभाओं को बधाई व शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा को समाज की प्रगति का एकमात्र मूलमंत्र बताते हुए युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया। कुमावत

ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रजापति समाज का इतिहास गौरवशाली और प्रेरणादायक है। यह समाज न केवल पारंपरिक माटी कला में निपुण रहा है बल्कि समय के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यवसाय के अनेक क्षेत्रों में भी अपनी पहचान बना रहा है। यह प्रतिभा सम्मान समारोह समाज की उन्नति और समाज के लोगों की मेहनत का प्रतीक है। इस दौरान कुमावत ने राजस्थान सरकार की ओर से चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। साथ ही उन्होंने पशुपालन विभाग की ओर से गौ-संरक्षण एवं गौ संवर्धन के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में अवगत कराया। सोलह परगना के अध्यक्ष शंकरलाल मंडोरा ने बताया कि समारोह में 10 वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 85 फीसदी व स्नातक व स्नातकोतर कक्षाओं में 75 फीसदी से अधिक अंक अर्जित करने वाले व राजकीय सेवा में चयनित समाज के कुल 185 विद्यार्थियों व युवाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही कार्यक्रम में सहयोग करने वाले समाज के भामाशाहों का भी सम्मान किया गया। इस मौके पर जालोर-सिरोही के सांसद लुंबाराम चौधरी, सिरोही की भाजपा जिलाध्यक्ष रक्षा भंडारी, सोलह परगना के उपाध्यक्ष किशनलाल प्रजापत, सचिव सुरेश प्रजापत, सहकोषाध्यक्ष पदमाराम कुमावत, उपाध्यक्ष शंकरलाल राजाजी,कोषाध्यक्ष भरत कुमार, सह सचिव रणछोड़ कुमार हंसाजी, भाजपा ओबीसी मोर्चा, सिरोही के जिलाध्यक्ष अमराराम प्रजापत, श्रीयादे माता मंदिर समिति के सदस्य एवं भामाशाह कानाराम प्रजापत, भाजपा जिला महामंत्री गणपत सिंह राठौड़, भामाशाह खीमाजी सोलंकी सवली, नटवर लाल प्रजापत, युवा मोर्चा सिरोही के महामंत्री अनिल प्रजापत सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान अतिथियों का भी जोरदार स्वागत किया गया।

मुस्ताक खान बने बीकानेर शहर व देहात के जिला सह प्रभारी

-प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा ने गुलदस्ता भेंट कर किया स्वागत

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सचिव मुस्ताक खान को प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देश पर बीकानेर शहर व बीकानेर देहात जिला सहप्रभारी बनाने पर कांग्रेस जनों द्वारा आपको फूल मालाओं से स्वागत किया गया और हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। एवं शीर्ष नेतृत्व एवं प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा और शीर्ष कांग्रेस नेतृत्व का हार्दिक आभार वक्त किया। मुस्ताक खान ने कहा की हमारे लोकप्रिय प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा द्वारा दी गई इस नई जिम्मेदारी के लिए मे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और कांग्रेस पदाधिकारीयों के साथ संवाद कर कांग्रेस पार्टी को और मजबूती प्रदान करने के प्रयास करूंगा। ओर सभी मित्रों एवं चूरू के कांग्रेसजनो का मुझे शक्ति, प्रेरणा और अपार समर्थन देने के लिए। मैं आपका आभारी रहूंगा।

पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ का जन्मदिन 21 अप्रैल को पद्मभूषण वीर सेनानायक लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह जिला खेल स्टेडियम चूरू में मनाया जाएगा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पदमभूषण वीर सेनानायक लेफ्टीनेट जनरल सगतसिंह खेल स्टेडियम चूरू मे 21 अप्रेल सुबह 10.00 बजे पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के जन्मदिन को भारतीय सेना को समर्पित शौर्य दिवस के रूप में मनाया जायेगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथूर सहित अनेक केन्द्रिय मंत्री, राज्य सरकार के मंत्री सांसद, विधायक एवम् जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेगे। इस संदर्भ में शुक्रवार को पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के चूरू आवास पर चूरू नगर मण्डल की बैठक मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत एवम धर्मेन्द्र राकसिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिसमें विघायक हरलाल सहारण, जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, पूर्वसभापति विजय कुमार शर्मा, मुरलीधर शर्मा, एससी मोर्चा प्रदेश मंत्री सीताराम लुगरिया, विधासभा संयोजक पदमसिंह राठौड़, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष अख्तर खांन, भाजयुमो जिलाध्यक्ष गोपाल बालाण नेता प्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, जिला मंत्री दीनदयाल सैनी, सत्तार खांन, रधुनाथ खेमका मचस्थ रहे। इस अवसर पर विघायक हरलाल सहारण ने कहा कि पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़

के जन्म दिन को कार्यकर्ता संकल्प दिवस के रूप में मनायेगें। उन्होने कहा कि चूरू के लिए यह सौभाग्य की बात है कि हम सब कार्यकर्ताओ के बीच पूर्वनेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ लगातार 40 वर्षो से सेवा कार्यो में लगे हुऐ है उनका जीवन सेवा के लिए समर्पित है। लगातार 24 धंटे वे आमजनता के बीच रहकर लोगो के सुख दुख में साथ देते है। उन्होने कहा कि इस संकल्प दिवस के रूप में चूरू की जनता का प्यार राजेन्द्र राठौड़ के प्रति उनका स्नेह दिखाई देगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के जन्म दिन को कार्यकर्ता ऐतिहासिक सभा के रूप में उपस्थित होकर मनायेगे। यह विशाल सभा चूरू में ऐतिहासिक होगी। उन्होने इस संदर्भ मे सभी कार्यकर्ताओ को दायित्व देते हुऐ कहा कि जिस प्रकार पूर्व नेताप्रतिपक्ष चूरू के लिए हर समय तत्पर रहते है। उसी प्रकार हम सब कार्यकर्ताओ का यह दायित्व बनता है कि हम सब भी इस कार्यक्रम में अपना योगदान दे। इस अवसर पर पूर्वसभापति विजय कुमार शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओ से आव्हान किया कि हम अपने प्रिय नेता के प्रति संकल्पित होकर इस जन्मदिन को ऐतिहासिक बनाये। एससी मोर्चा के प्रदेश मंत्री सीताराम लुगरिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सभी वर्गो के लिए कार्य करने वाली पार्टी है और राजेन्द्र राठौड़ का संबंध चूरू के हर नागरिक के साथ पारावारिक है। पूर्व सभापति मुरलीधर शर्मा, मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, धर्मेन्द्र राकसिया, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष अख्तर खान, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष गोपाल बालाण, जिला मंत्री सत्तार खान ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन जिला मीडिया संयोजक रवि दाधीच ने किया।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष विधायक हाकम अली खान बने चूरू जिला कांग्रेस संगठन प्रभारी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश में कांग्रेस कमेटी जिला प्रभारी बनाए। चूरू जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष जमील चौहान ने बताया कि, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष और विधायक हाकम अली खान को चूरू जिला कांग्रेस का प्रभारी बनाए जाने पर प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा का आभार व्यक्त करते हुए, चूरू जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोज मेघवाल ने, हाकम अली खान को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुवे कहा हमे पूर्ण विश्वास है कि आपके सानिध्य में चूरू जिले की कांग्रेस और

मजबूत होकर कार्य करेगी तथा आपके मार्गदर्शन से कांग्रेस कार्यकर्ताओं और संगठन में उत्साह, जोश और जज्बे का संचार होगा।

भाजपा का स्थापना दिवस 6 अप्रैल को, जिला एवं मंडल स्तर पर आयोजित होंगे कार्यक्रम - जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी के 6 अप्रैल को मनाए जाने वाले स्थापना दिवस कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को जिला कार्यालय सवाई माधोपुर पर जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की अध्यक्षता में पदाधिकारियों की तैयारी बैठक आयोजित हुई । जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि स्थापना दिवस कार्यक्रम की तैयारी बैठक में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रेमप्रकाश शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष बजरंगलाल जाट, सुरेशचंद जैन, डॉ. भरतलाल मथुरिया, जिला महामंत्री जगदीश अग्रवाल, बाबूलाल मीणा, प्रधान नरेन्द्र चौधरी, मंजू गुर्जर मंचासीन रहे। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मानसिंह ने कहा

कि प्रदेश नेतृत्व द्वारा दिए गए प्रशिक्षण महाअभियान को हमारे जिले और मंडल के कार्यकर्ताओं ने बहुत ही अच्छे तरीके सफल क्रियान्वयन किया उसके लिए सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र है, जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रशिक्षण महाअभियान की तरह ही पार्टी के स्थापना दिवस कार्यक्रम को हम सभी को जोरो शोरों से मनाना है । पार्टी का स्थापना दिवस के अवसर पर 5,6,7 अप्रैल को जिला कार्यालय सहित मंडल कार्यालय पर सजावट की जाएगी साथ ही प्रत्येक कार्यकर्ता अपने अपने घरों पर पार्टी का झंडा फहराकर सरल एप एवं सोशल मीडिया पर सेल्फी अभियान चलाएंगे ।

सांखला निर्विरोध सोजत कार्यवाहक तहसील अध्यक्ष मनोनीत

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के सोजत रोड स्थित कोट मोहल्ला स्थित रावणा राजपूत समाज भवन में शुक्रवार को तहसील अध्यक्ष के चुनाव को लेकर कार्यवाहक जिलाध्यक्ष परमेन्द्र सिंह परिहार, दुर्गा सिंह केशावत एवं वरिष्ठ समाजसेवी जगदीश सिंह जी गहलोत की संयुक्त अध्यक्षता में आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। निवर्तमान जिला महासचिव मदन सिंह इंदा ने बताया कि बैठक मे पिछले काफी समय से निष्क्रिय रूप में चल रहे तहसील स्तरीय संगठन को पुनः गठित और सक्रिय संचालन करने का विचार रखा गया जिसमें सबकी आम सहमति से सोजत रोड निवासी शिक्षाविद्व किशोर सिंह सांखला को कार्यवाहक तहसील अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। जिलाध्यक्ष परिहार ने संगठनों को सक्रिय संचालन करने के लिए युवाओं की भागीदारी को बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होने कहा कि तहसील अध्यक्ष शीघ्र की कार्यकारिणी का गठन करे एवं उसमे समाज के कार्यो में रुचि रखने वाले सक्रिय लोगों को प्राथमिकता देवे। इस मौके पर एडवोकेट जय सिंह सांखला,दलपत सिंह सांखला गजेन्द्र सिंह गहलोत, दुर्गा सिंह केशावत, हरि सिंह भायल, मुकन सिंह सरदारपूरा, गणपत सिंह सांखला, भंवर सिंह साण्डिया, सुरेन्द्र सिंह खोखरा आदि मौजूद रहे।

संवेदनशीलता के साथ टीम भावना रखकर कार्य कर आमजन को राहत प्रदान करें - जिला कलक्टर

पाली (रॉयल पत्रिका)। नवपदस्थापित जिला कलक्टर ने शुक्रवार को जिला कलक्टर कार्यालय के सभागार में उनकी अध्यक्षता में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ दिशा बैठक व विभागों की योजना से संबधी बैठक लेकर समीक्षा की। बैठक में जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि आमजन के प्रति संवेदनशील रहकर कर्त्वयपरायण होकर टीम भावना से कार्य कर उन्हें राहत प्रदान करें। बैठक में जिला कलक्टर ने दिशा बैठक से संबधी एंजेडा पर बारी बारी से सार्वजनिक निर्माण विभाग की योजनाओं व सडकों, पीएमजेएसवाई, रोड कटिंग गुणवत्ता, केन्द्र व राज्य के समक्ष रखे जाने वाले विषयों के बारे में व पीएचईडी में समर कंटेजेंसी प्लान, रोहट में पेयजल व टैंकर के बारे में निरीक्षण व बैठकों के बारे में निर्देश दिये। साथ ही जल संसाधन विभाग में बांधों व पानी व अन्य योजनाओं, बिजली विभाग में आगामी गर्मी में व्यवस्था, झूलते लटकते तार व पोल के बारे में, सर्वे करने, इसी प्रकार शिक्षा विभाग मंय खेल मैदानों के प्रस्तावों के लिये, समसा, डेटा, क्षतिग्रस्त स्कूलो की सूची व बच्चो को ना

बैठाने के लिये व प्रस्तावों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में जिला कलक्टर ने एसडीआरफ से हुये कार्य व वैरीफिकेशन के लिये व चिकित्सा विभाग के कार्य योजनाओं, पशुपालन विभाग, बांडी नदी, रसद विभाग, कृषि व कापरेटिव व राजीविका में डा्रेन प्रशिक्षण के लिये निर्देश दिये। साथ ही फसल बीमा महिला एंव बाल विकास विभाग में आगंनवाडी भवनों संबधी कार्य , सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के बारे में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिये। साथ ही दिशा में नगर निगम नालों की सफाई, लो लाईन एरिया के बारे में गौशालाओं में पशुओं के लिये, कालेज शिक्षा, हरियालो राजस्थान के बारे में विस्तार से निर्देश दिये। इसके अतिरिक्त बांगड हास्पिटल, रीको, सूचना प्रौधोगिकी, के बारे में भी जानकारी ली। बैठक में जिला कलक्टर ने 181 सेल के बारे में समस्या निवारण विश्लेष्ण के लिये समस्या शिकायत प्रकार, क्षेत्र व निस्तारण के लिये निर्देश दिये। साथ ही सभी विभागों को उनकी समस्याओं व निदान के बारे में निर्देश दिये। इस अवसर पर बैठक मे अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ बजरंग सिंह, प्रशिक्षु आईएसएस बिरजू गोपाल , डीएफओ कस्तूरी, एडीएम ओम प्रभा, सीईओ मुकेश चौधरी, नगर निगम आयुक्त नवीन भारद्वाज सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

ग्रामीण क्षेत्रों में सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं हमारी प्राथमिकता - कैबिनेट मंत्री डॉ. मीणा

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। "ग्रामीण क्षेत्रों में सुदृढ़ स्वास्थ्य आधारभूत संरचना विकसित कर आमजन को बेहतर एवं सुलभ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।" यह बात कृषि, उद्यानिकी, ग्रामीण विकास एवं आपदा राहत मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने भाडौती में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) भवन के शिलान्यास अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होने से ग्रामीणों को समय पर उपचार उपलब्ध होगा तथा उन्हें दूरस्थ स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भाडौती का निर्माण 15वें वित्त आयोग मद में स्वीकृत 575 लाख रुपये की राशि से किया

जा रहा है। प्रस्तावित भवन का निर्माण कार्य दिसम्बर 2026 तक पूर्ण किया जाना निर्धारित है। इस स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण से क्षेत्र के लगभग 18 ग्रामों के ग्रामीणों को निकटतम स्तर पर सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी, जिससे आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। शिलान्यास कार्यक्रम में मलारना डूंगर प्रधान देवपाल मीना, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल जैमिनी, अधिशाषी अभियंता मनोज कुमार सिंह, पूर्व उप सभापति राजेश गोयल, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष दीपक मीना सहित विभागीय अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

डब्लूयूडी विद्यार्थियों को डिजाइन में करियर संभालने में अग्रसर

नई दिल्ली, एजेंसी। बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम नजदीक हैं और पूरे भारत में विद्यार्थियों ने अपने अगले कदम के बारे में विचार करना शुरू कर दिया है। इस बीच, वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन (डब्लूयूडी) ने विज्ञान, वाणिज्य और कला जैसे सभी अकादमिक पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों को डिजाइन, टेक्नोलॉजी और रचनात्मक अर्थव्यवस्था में उभरते करियर के मार्गों में संभावना तलाशने के लिए आमंत्रित किया है। आज के तेजी से उभर रहे पेशेवर परिदृश्य में करियर में सफलता एक स्कूली क्षेत्र तक सीमित नहीं रह गई है। डिजाइन एक ताकतवर, अंतरक्षेत्रीय क्षेत्र के तौर पर उभरा है जो रचनात्मकता को टेक्नोलॉजी, बिजनेस और मानव केंद्रित नवप्रवर्तन के साथ एकीकृत करते हुए विविध रुचियों और क्षमताओं वाले विद्यार्थियों के लिए अवसरों के द्वार खोल रहा है। इस रुख के मुताबिक, डब्लूयूडी ने उद्योग की जरूरतों के अनुरूप एक भविष्य उन्मुखी, अंतर क्षेत्रीय शिक्षा की पेशकश करते हुए अकादमिक वर्ष 2026-27 के लिए अपने स्नातक और स्नातकोत्तर प्रोग्राम में प्रवेश लेना प्रारंभ किया है। युनिवर्सिटी डिजाइन, बिजनेस, आर्किटेक्चर, फैशन, कम्युनिकेशन और विजुअल एवं परफॉर्मिंग आर्ट्स के क्षेत्र में व्यापक कार्यक्रमों की पेशकश करती है। इसके पाठ्यक्रम को समग्र रूप से अपग्रेड किया गया है विशेषकर मास्टर प्रोग्राम में जो समकालीन उद्योग की मांग के अनुरूप है। प्रमुख बातों में एआई और उभरती टेक्नोलॉजीज़ का एकीकरण, अंतर-क्षेत्रीय सीख, उद्योग के नेतृत्व में प्रोजेक्ट्स और एनईपी 2020 के अनुरूप लचीले अकादमिक रास्ते शामिल हैं। प्रवेश डब्लूयूडी एप्टीट्यूड टेस्ट (डब्लूयूडीएटी) 2026 के जरिए लिया जाएगा जो 11 एवं 12 अप्रैल, 2026 को प्रस्तावित है। इसके बाद, छांटे गए उम्मीदवारों के लिए एक कैंपस इंटरव्यू होगा।

काम से ब्रेक, मनोरंजन फुल-ऑनः आपका लॉन्ग वीकेंड वॉचलिस्ट

मुंबई। यह लॉन्ग वीकेंड बिल्कुल सही समय पर आया है, जब एंटरटेनमेंट की दुनिया में हलचल अपने चरम पर है। चाहे आप घर पर सुकून से समय बिताना चाहें, देर रात तक सीरीज देखना चाहें, या परिवार के साथ टीवी का आनंद लेना चाहें—यह लंबी छुट्टी काम से ब्रेक लेने और मनोरंजन से जुड़ने का बेहतरीन अवसर है। कोर्टरूम ड्रामा और युवाओं की कहानियों से लेकर इंटरनेशनल एक्शन तक, इस हफ्ते ओटीटी पर विकल्पों की कमी नहीं है। एयरटेल आइपीटीवी के साथ इस अनुभव में आईपीएल के रोमांचक मुकाबलों का तड़का भी लग जाता है। अब घर की सबसे बड़ी स्क्रीन पर 27 टॉप ओटीटी ऐप्स, 657 लाइव टीवी चैनल्स और एक विशाल ऑन-डिमांड लाइब्रेरी का आनंद लें। यहाँ आपके लॉन्ग वीकेंड के लिए खास तौर पर चुनी गई लिस्ट दी गई है, जिसमें नए ओटीटी प्रीमियर और स्ट्रीमिंग व लाइव क्रिकेट के बीच आसानी से स्विच करने का तरीका शामिल है।

स्मार्ट कूलिंग, स्मार्ट गर्मियाँ, कूल बचतः सैमसंग के बीस्पोक एआई एसी करते हैं यह काम

मुंबई एजेंसी। भारतीय गर्मियों के लिए सबसे अच्छा एसी चुनते समय, मुख्य बातों में तेज कूलिंग, एनर्जी की बचत, अचानक बढ़ती गर्मी के हिसाब से ढलना और स्मार्ट कंट्रोल शामिल हैं। सैमसंग की बीस्पोक एआई रेंज इन रूरतों को पूरा करने के लिए ही बनाई गई है। यह एआई का इस्तेमाल कर कमरे के हालात और इस्तेमाल के तरीकों के आधार पर कूलिंग को एडजस्ट करती है, जिससे एनर्जी बचाते हुए आपको सबसे ज्यादा आराम मिलता है। सैमसंग के बीस्पोक एआई एसी में एआई ऑटो कूलिंग, एआई एनर्जी मोड और डिजिटल इन्वर्टर टेक्नोलॉजी शामिल हैं, जो असरदार और हालात के हिसाब से बदलने वाली कूलिंग देते हैं। इस्तेमाल के तरीकों और बाहर के हालात का विश्लेषण करके, ये एसी अपनी परफॉर्मेंस को बेहतर बनाते हैं और साथ ही एनर्जी की खपत को भी कम करते हैं, जिससे ये भारत की कभी भी बदलने वाली गर्मियों के मौसम के लिए एकदम सही हैं। स्मार्ट फीचर्स के साथ ज्यादा कूलिंग क्षमता वाला एक मजबूत विकल्प, जो बड़ी जगहों के लिए एकदम सही है। एसी का मतलब सिर्फ़ ठंडक देना ही नहीं होता—बल्कि इसका मतलब है बदलते तापमान के हिसाब से ढलना।

बिमटेक और स्विस री इंडिया ने विशेषीकृत रीइंश्योरेंस कोर्सेज और एग्जीक्यूटिव मेंटरिंग प्रोग्राम्स शुरू करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए

नोएडा, एजेंसी। ग्लोबल रीइंश्योरेंस कंपनी स्विस री इंडिया ने बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (बिमटेक) के साथ मिलकर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन इंश्योरेंस बिज़नेस मैनेजमेंट (पीजीडीएम-आईबीएम) के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य इंडस्ट्री-ओरिएंटेड एजुकेशन और रिसर्च के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार इंश्योरेंस टैलेंट विकसित करना है। इस सहयोग के तहत रीइंश्योरेंस कोर्सेज और एग्जीक्यूटिव मेंटरिंग प्रोग्राम्स का को-डेवलपमेंट भी शामिल है।इस एमओयू के तहत, स्ट्रैटेजिक पार्टनर के रूप में स्विस री इंडिया बिमटेक स्टूडेंट्स को फाइनल और समर प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करेगा, साथ ही उन्हें शॉर्ट-टर्म इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स में भागीदारी का अवसर भी देगा।

स्विस री इंडिया, बिमटेक के साथ ट्रेनिंग सेशंस, वेबिनार, लाइव प्रोजेक्ट्स और वर्कशॉप्स के माध्यम से भी जुड़ेगा, जिनका फोकस रीइंश्योरेंस सेक्टर के प्रमुख मार्केट ट्रेंड्स और इंडस्ट्री से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर रहेगा।

इसके अतिरिक्त, दोनों संस्थान मिलकर रीइंश्योरेंस, रिस्क एनालिटिक्स एवं डेटा साइंस, इंश्योरेंस पेनिट्रेशन और प्रोटेक्शन गैप, लीडरशिप एवं प्रोफेशनल डेवलपमेंट, सस्टेनेबिलिटी एवं क्लाइमेट रिस्क, तथा टेक्नोलॉजी एवं इंश्योरटेक जैसे क्षेत्रों में विशेष मॉड्यूल विकसित करेंगे। स्विस री इंडिया के एमडी एवं हेड, अमित कालरा ने कहा कि स्विस री इंडिया और बिमटेक के बीच लंबे समय से

चला आ रहा सहयोग सफल रहा है और यह साझेदारी समय के साथ और अधिक मजबूत हुई है। आगे, स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, लर्न, अनलर्न और रिलर्न—और किसी चीज़ के होने का इंतजार मत करो।

उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए इसे निरंतर बदलाव से परिभाषित एक यात्रा के रूप में बताया।

बिमटेक की डायरेक्टर, डॉ. प्रबीना राजिब ने कहा, भारत का इंश्योरेंस सेक्टर एक बड़ी चुनौती के साथ-साथ एक असाधारण अवसर भी प्रस्तुत करता है। यह साझेदारी एक संरचित अकादमिक-इंडस्ट्री इंटरफेस तैयार करने का लक्ष्य रखती है, जिससे लर्निंग आउटकम्स बेहतर होंगे। इसके तहत मेंटरशिप, इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट्स और स्विस री के विशेषज्ञों द्वारा संचालित वर्कशॉप्स तक पहुंच सुनिश्चित की जाएगी।

इस एमओयू का एक प्रमुख फोकस रिसर्च, जागरूकता और आउटरीच पहलों को बढ़ावा देना है। यह सहयोग एग्जीक्यूटिव मेंटरिंग और इंडस्ट्री-लीड ट्रेनिंग के माध्यम से लीडरशिप डेवलपमेंट को भी आगे बढ़ाएगा, जिससे छात्र 'टी-शेप्ड' प्रोफेशनल्स के रूप में विकसित हो सकें, जिनके पास गहराई और व्यापकता—दोनों प्रकार का ज्ञान हो। यह एमओयू कैंपस में आयोजित एक इंडस्ट्री इंटरैक्शन सेशन के दौरान वरिष्ठ नेतृत्व, फैकल्टी और छात्रों की उपस्थिति में औपचारिक रूप से संपन्न हुआ।

13000 रुपये से ज्यादा टूट गई चांदी, सोना के दाम भी 2500 रुपये से अधिक लुढ़के

नईदिल्ली, एजेंसी। ट्रंप के ताजा बयानों के बाद कमोडिटी और बुलियन मार्केट्स में सोने-चांदी की कीमतों में आज गुरुवार, 2 अप्रैल को भारी गिरावट दर्ज की जा रही है। चांदी की कीमतों में करीब 6 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बता दें ट्रंप ने कहा कि अमेरिका आने वाले कुछ हफ्तों तक ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान जारी रखेगा। इससे बाजार में तनाव बढ़ गया।

एमसीएक्स पर चांदी की कीमत 13,613 रुपये प्रति किलो गिरकर 2,29,888 रुपये प्रति किलो पर आ गई। वहीं, सोना का भाव आज 2,547 रुपये सस्ता होकर 1,51,161 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। दूसरी ओर वैश्विक बाजार में भी कीमती धातुओं पर दबाव दिखा। स्पॉट सिल्वर 2.9 प्रतिशत गिरकर 72.95 डॉलर पर आ गया, जबकि स्पॉट गोल्ड 1.3 प्रतिशत गिरकर 4,694.48 डॉलर प्रति औंस रहा। यूएस गोल्ड फ्यूचर्स भी 1.9 प्रतिशत गिरकर 4,723.70 डॉलर पर आ गए।

सोने-चांदी के भाव में गिरावट के अन्य कारण

तेल, डॉलर और बॉन्ड यील्ड में उछालः ट्रंप के बयान के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमतें 4 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गईं। इसके साथ ही डॉलर और 10 साल की अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में भी तेजी आई। मजबूत डॉलर और बढ़ती यील्ड के कारण सोना-चांदी जैसे एसेट निवेशकों के लिए कम आकर्षक हो जाते हैं।

ब्याज दरों की उम्मीदों का असरः बाजार को उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व जल्द ही ब्याज दरों में कटौती नहीं करेगा। 2026 में रेट कट की संभावना काफी कम है और दिसंबर तक केवल करीब 25 प्रतिशत संभावना मानी जा रही है।

सोने के भाव आगे गिरेंगे या चढ़ेंगे

एसएस वेल्थस्ट्रीट की फाउंडर सुगंध सचदेवा ने बताया कि सोना करीब 1,35,000 से 1,33,500 के स्तर पर सपोर्ट ले सकता है, जबकि 1,57,600 के आसपास मजबूत रेजिस्टेंट है। यानी जब तक कीमत इस दायरे से बाहर नहीं जाती, तब तक कोई साफ दिशा तय नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि बाजार की दिशा काफी हद तक अमेरिका के नौकरी से जुड़े आंकड़े पर निर्भर करेगी, जो शुक्रवार को आने वाले हैं।

हवाई सफर महंगा! 10,000 तक बढ़ेंगी कीमतें; इंडिगो ने इतना फ्यूल चार्ज लगाया

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने बुधवार को कहा कि वह विमान ईंधन की कीमतों में वृद्धि के बाद 2 अप्रैल से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 275 रुपये से लेकर 10,000 रुपये तक का संशोधित ईंधन शुल्क लगाना शुरू करेगी। ईंधन शुल्क में इस बढ़ोतरी से विभिन्न घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के हवाई किराए बढ़ने तय हैं। एयरलाइन की यह घोषणा उस दिन आई है, जब विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में संशोधन किया गया और सरकार ने घरेलू उड़ानों के लिए कीमतों में 25 प्रतिशत की आंशिक बढ़ोतरी का फैसला किया। पश्चिम एशिया संकट के कारण ईंधन की कीमतों में आए उछाल के मद्देनजर एयरलाइन 14 मार्च से ही घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के टिकटों पर 425 रुपये से 2,300 रुपये तक का ईंधन शुल्क वसूल रही है। घरेलू उड़ानों के लिए दूरी के आधार पर संशोधित ईंधन शुल्क 275 रुपये से 950 रुपये के बीच होगा। इंडिगो ने एक बयान में कहा कि इंडिगो ने अलग-अलग यात्रा दूरियों के हिसाब से अपने घरेलू ईंधन शुल्क को फिर से निर्धारित किया है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के मामले में दूरी के आधार पर ईंधन शुल्क 900 रुपये से लेकर 10,000 रुपये तक होगा। बयान में कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय ऑपरेशन के लिए पिछले महीने में एटीएफ की कीमतें दोगुनी से अधिक हो गई हैं, जिसके चलते इन मार्गों पर एयरलाइन की ऑपरेशनल कॉस्ट पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। ये संशोधित शुल्क 2 अप्रैल को रात 00:01 बजे से लागू होंगे। एयरलाइन कंपनियों ने बुधवार को कहा कि विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में आंशिक वृद्धि से घरेलू हवाई यात्रा की लागत को संतुलित रखने में मदद मिलेगी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण ईंधन की बढ़ती कीमतों के बीच यह वृद्धि की गई है। स्पाइसजेट के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा कि सरकार की जेट ईंधन की कीमतों में केवल आंशिक वृद्धि की अनुमति देने का निर्णय विमानन उद्योग के लिए एक बड़ी राहत है। उन्होंने बयान में यह भी कहा कि समय पर किये गये इस हस्तक्षेप से हाल के समय के सबसे चुनौतीपूर्ण वैश्विक संकट में से एक से निपटने में एयरलाइंस को काफी मदद मिलेगी।

कोटक महिंद्रा प्राइम लिमिटेड ने नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड की सहायक कंपनी और देश की प्रमुख व्हीकल फाइनेंस कंपनियों में से एक, कोटक महिंद्रा प्राइम लिमिटेड ने अपने निदेशक मंडल द्वारा स्वीकृत नेतृत्व परिवर्तन की घोषणा की है।

कंपनी के बोर्ड ने सूरज राजप्पन को तीन वर्षों के लिए मैनेजिंग डायरेक्टर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति 1 जून 2026 से प्रभावी होगी (जो शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है)। सूरज राजप्पन ने अपने करियर की शुरुआत कोटक महिंद्रा प्राइम लिमिटेड से ही की थी और उनके पास इस संस्थान में अलग-अलग विभागों में काम करने का 24 वर्षों का लंबा अनुभव है। वर्तमान एमडी और सीईओ शाहरुख टोडीवाला 31 मई 2026 को रिटायर होंगे। उन्होंने कोटक समूह के साथ तीन दशकों से अधिक समय तक अपनी सेवाएं दी हैं।

कोटक महिंद्रा बैंक के एमडी और सीईओ, अशोक वासवानी ने कहा, शाहरुख ने कोटक महिंद्रा प्राइम में संतुलित विकास, जोखिम अनुशासन और ग्राहक-केंद्रित सोच की एक मज़बूत विरासत छोड़ी है। हम सूरज का स्वागत करते हैं—उनका गहरा अनुभव और काम करने की क्षमता कोटक महिंद्रा प्राइम लिमिटेड को विकास के अगले चरण तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कोटक महिंद्रा प्राइम लिमिटेड के एमडी और सीईओ, शाहरुख टोडीवाला ने कहा, कोटक महिंद्रा प्राइम लिमिटेड की 30 वर्षों की यात्रा का हिस्सा बनना और इसके विकास में योगदान देना मेरे लिए बहुत संतोषजनक रहा है। कंपनी का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। मुझे पूरा विश्वास है कि सूरज और उनकी लीडरशिप टीम इस मज़बूत नींव पर आगे बढ़ते हुए कंपनी को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाएगी। कोटक महिंद्रा प्राइम लिमिटेड के एमडी और सीईओ (नामित), सूरज राजप्पन ने कहा, मैं बोर्ड द्वारा मुझ पर जताए गए भरोसे के लिए आभारी हूँ। कोटक महिंद्रा प्राइम लिमिटेड आगे भी अनुशासित विकास, नवाचार और बेहतरीन ग्राहक अनुभव पर ध्यान केंद्रित रखेगा। साथ ही हम सभी ओईएम और डीलर पार्टनर्स के साथ अपने संबंधों को और मज़बूत करेंगे।

भारतीय वाहन वित्त क्षेत्र में एक लंबी और गौरवशाली विरासतः कोटक महिंद्रा प्राइम लिमिटेड की शुरुआत 1996 में हुई थी। तब इसे कोटक महिंद्रा प्राइमस लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, जो कोटक महिंद्रा फाइनेंस और फोर्ड क्रेडिट इंटरनेशनल के बीच 60-40 का एक संयुक्त उद्यम था। यह भारत के शुरुआती संगठित कार फाइनेंस प्लेटफॉर्म्स में से एक था। साल 2005 में कोटक महिंद्रा बैंक ने फोर्ड क्रेडिट की हिस्सेदारी खरीद ली, जिससे यह कंपनी कोटक समूह की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन गई और इसका नाम बदलकर कोटक महिंद्रा प्राइम लिमिटेड कर दिया गया। पिछले लगभग तीन दशकों में, कोटक महिंद्रा प्राइम लिमिटेड भारत के ऑटोमोटिव और कंज्यूमर क्रेडिट बाज़ारों के साथ-साथ विकसित हुआ है।

भीम पेमेंट्स ऐप ने 'माही वे' कैंपेन लॉन्च किया, डिजिटल पेमेंट्स को सरल और सुरक्षित बनाने पर जोर

भोपाल। भीम पेमेंट्स ऐप, जिसे एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है, ने आज अपने नए 'माही वे' कैंपेन के लॉन्च की घोषणा की। यह कैंपेन भीम को एक स्पष्ट और भरोसेमंद विकल्प के रूप में प्रस्तुत करता है, जिससे यूज़र्स तुरंत भुगतान कर सकते हैं। भारत में पैसे के साथ जुड़े भरोसे को दर्शाते हुए, यह कैंपेन भीम ऐप द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाजनक और सुरक्षित भुगतान प्रक्रिया पर जोर देता है, जिससे नए यूज़र्स सहित सभी में डिजिटल पेमेंट्स के प्रति विश्वास बढ़ता है। यह 360-डिग्री कैंपेन महान क्रिकेटर और ब्रांड एंबेसडर महेंद्र सिंह धोनी को प्रस्तुत करता है, जिनका शांत और भरोसेमंद व्यक्तित्व भीम पेमेंट्स ऐप के अनुभव से मेल खाता है। 'भीम एप से करों पे इटस दा माही वे' विचार पर आधारित यह कैंपेन उन रोज़मर्रा की स्थितियों को दिखाता है, जहां यूज़र्स के पास कई पेमेंट विकल्प होते हैं, लेकिन वे एक सरल और विश्वसनीय माध्यम चुनते हैं। इस फिल्म में भीम के स्कैन एंड पे फीचर और इंस्टेंट रिवॉर्ड्स को भी दिखाया गया है, जो डिजिटल पेमेंट को तेज़ और बिना चिंता के बनाते हैं।कैंपेन पर बोलते हुए, ललिता नटराज, एमडी और सीईओ, एनपीसीआई भीम सर्विसेज लिमिटेड ने कहा, भारत में डिजिटल पेमेंट्स को अपनाने और उपयोग करने में भरोसा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जैसे-जैसे इसका उपयोग बढ़ रहा है, यूज़र्स सरलता और भरोसे के साथ-साथ हर ट्रांजैक्शन के सुरक्षित होने का आश्वासन चाहते हैं। हमारा नया कैंपेन 'माही वे' इसी व्यवहार को दर्शाता है, जहां बिना किसी भ्रम या देरी के पेमेंट्स किए जाते हैं, एक ऐसे प्लेटफॉर्म पर जिस पर यूज़र्स भरोसा कर सकें। भीम पेमेंट्स ऐप के साथ, हम पूरे देश में यूज़र्स को एक भरोसेमंद और समावेशी पेमेंट अनुभव देने के लिए

प्रतिबद्ध हैं। टेलीविजन, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, सिनेमा और आउटडोर मीडिया पर लॉन्च किया जाएगा। मुख्य कैंपेन फिल्म 25 सेकंड के फॉर्मेट में होगी, जिसे 10 और 15 सेकंड के छोटे वर्ज़न के साथ डिजिटल और सोशल प्लेटफॉर्म्स पर अधिक बार दिखाया जाएगा। भीम के समावेशी दृष्टिकोण के अनुरूप, यह कैंपेन 11 भाषाओं में उपलब्ध होगा, जिनमें हिंदी, अंग्रेज़ी और मराठी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, गुजराती, ओड़िया और असमिया जैसी क्षेत्रीय भाषाएं शामिल हैं। कुशागर तुली, प्रेसिडेंट और हेड ऑफ क्रिएटिव, टिल्ट ब्रांड सॉल्यूशंस ने कहा, माही वे कैंपेन में एमएस धोनी को एक आम इंसान के रूप में दिखाया गया है।

ब्रांड पार्टनर्स की घोषणा के साथ दर्शकों के साथ जुड़ाव का नया दौर शुरू

मुंबई, एजेंसी। इंतज़ार की घड़ियाँ खत्म! भारतीय सिनेमा के शानदार जश्न के लिए मंच सज चुका है। 5 अप्रैल को होगा चेतक स्क्रीन अवार्ड्स 2026 का होगा सीधा प्रसारण। सबसे बेहतरीन फिल्मों का जादू और सितारों का ग्लैमर देश-दुनिया के दर्शक सीधे अपनी स्क्रीन्स पर देख सकेंगे।

पहली बार दर्शकों को मिलेगा अवार्ड शो के हर रोमांचक पल का अनुभव सीधे उनकी स्क्रीन्स पर, ठीक उसी वक्त पर जब वो घटित हो रहा हो। यह भव्य समारोह 5 अप्रैल, रात 8 बजे से यूट्यूब, सोनी इंडरटेंमेंट टेलीविजन और सोनी लिव और पर लाइव स्ट्रीम किया जाएगा। दुनिया भर में बढ़ती डिजिटल मांग और फिल्म प्रेमियों की पसंद को देखते हुए इसे हर स्क्रीन पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

भारतीय सिनेमा के एक सबसे सम्मानित और बहुप्रतीक्षित समारोह, चेतक स्क्रीन अवार्ड्स 2026 ने आज अपने शानदार ब्रांड पार्टनर्स के नाम घोषित किए। अपनी विरासत और भरोसे के लिए विख्यात यह ब्रांड पार्टनर्स कई पीढ़ियों से दर्शकों के दिल और संस्कृति से गहराई से जुड़े हुए हैं।

दशकों से, स्क्रीन अवार्ड्स ने भारतीय फिल्म उद्योग में एक विशिष्ट और सम्मानित स्थान बनाए रखा है। संपादकीय ईमानदारी, कठोर मूल्यांकन और सिनेमाई उत्कृष्टता के प्रति अटूट सम्मान उनकी पहचान है। द इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप की सशक्त संपादकीय विरासत और स्वतंत्र, गैर-लाभकारी स्क्रीन एकेडमी के मार्गदर्शन में, ये पुरस्कार मनोरंजन के बदलते दौर में भी विश्वसनीयता का एक मानक बने हुए हैं।

इस साल के ब्रांड पार्टनर्स भी उसी अटूट संकल्प और बदलते समय के साथ खुद को ढालने की हमारी परंपरा का प्रतिबिंब हैं।

इस यात्रा का सूत्रधार है चेतक, बजाज ऑटो का स्कूटर ब्रांड, जो दशकों से हर घर का विश्वास जीत रहा है और आज देश के अग्रणी इलेक्ट्रिक 2-व्हीलर के रूप में नए भारत की इलेक्ट्रिक क्रांति का नेतृत्व कर रहा है। सिनेमा की तरह चेतक ने भी अपनी जड़ों और उसूलों से समझौता किए बिना भविष्य की ओर कदम बढ़ाए हैं, उन मूल्यों को संजोकर रखा है जिनमें दर्शकों का अटूट विश्वास है।

डेटॉल ने लॉन्च किया नया कैंपेन

मां की सुरक्षा की भावना को किया सेलिब्रेट

देखभाल के हर मौके पर डेटॉल की अहम भूमिका को करता है मजबूत

मुंबई, एजेंसी। डेटॉल, भारत का प्रमुख जर्म प्रोटेक्शन ब्रांड, अपने आइकॉनिक डेटॉल एंटीसेप्टिक लिक्विड के लिए एक नया भावनात्मक कैंपेन लेकर आया है। यह कैंपेन भावनाओं पर आधारित कहानी के जरिए परिवारों के साथ ब्रांड के जुड़ाव को मजबूत करता है और इसकी बेजोड़ सुरक्षा को उजागर करता है। मां की सहज देखभाल की भावना पर आधारित यह कैंपेन एक सरल संदेश देता है- मां और डेटॉल जैसी सुरक्षा कोई नहीं देता।

कई पीढ़ियों से डेटॉल सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं, बल्कि मुश्किल समय में भरोसेमंद साथी रहा है। नई फिल्म इसी भावना को एक शादी के घर की चहल-पहल भरे माहौल में एक कोमल पल के जरिए

दिखाती है। जश्न के बीच एक छोटा लड़का खुद को चोट लगने के बाद भी उसे सबसे छिपा लेता है और बहादुरी दिखाने की कोशिश करता है। लेकिन जैसे ही वह अपनी मां के पास पहुंचता है, मां तुरंत महसूस कर लेती है कि कुछ ठीक नहीं है। जब वह डेटॉल एंटीसेप्टिक लिक्विड से उसकी चोट साफ करती है, तो लड़का अपनी झिझक छोड़ देता है और उसका दर्द सामने आ जाता है। इसके बाद एक भावुक पल आता है, जहां भूमिकाएं बदल जाती हैं और वही बच्चा अपनी मां को सांत्वना देता है।

फिल्म का अंत इस संदेश के साथ होता है- अपनों की सुरक्षा का मजबूत सहारा। यह दिखाता है कि डेटॉल आज भी भारतीय घरों में मांओं के साथ खड़ा है, जहां प्यार स्वाभाविक है और सुरक्षा भरोसेमंद।

इस फिल्म को प्रसून जोशी के कॉन्सेप्ट और लेखन ने जीवंत बनाया है। इसका मूल संगीत विशाल खुराना के ने तैयार किया है, जिसे जावेद अली ने गाया है। गीत के बोल भी प्रसून जोशी ने लिखे हैं, और निर्देशन अमित शर्मा ने किया है। यह फिल्म भावनाओं, संस्कृति और वास्तविकता का सुंदर संगम प्रस्तुत करती है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, रेकिट के साउथ एशिया के ईवीपी रीजनल डायरेक्टर गौरव जैन ने कहा, रेकिट में हम मानते हैं कि हमारी जिम्मेदारी केवल उत्पाद उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है—हम एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए यहां हैं जहां लोग सुरक्षित महसूस करें, संरक्षित रहें और एक-दूसरे की देखभाल करने के लिए सक्षम बनें। डेटॉल इस मिशन के केंद्र में है। इसकी विरासत कई पीढ़ियों तक फैली हुई है।

डॉलर लहर ने गर्मियों के जरूरी पहनावे में पेश किया एक अकल्पनीय ट्विस्ट

कोलकाता, एजेंसी। डॉलर लहर इस गर्मी के मौसम में एक नये अभियान के साथ उत्साह बढ़ा रहा है, जो हास्य, कल्पना और एक अप्रत्याशित साइ-फाई मोड़ का अनूठा मिश्रण है। जैसे ही इनरवियर श्रेणी अपने सबसे व्यस्त सीजन में प्रवेश कर रही है, ब्रांड एक हाईवे ढाबे की पृष्ठभूमि पर आधारित एक दिलचस्प कहानी लेकर आया है- जहाँ एक साधारण रात असाधारण मोड़ लेती है। इस अभियान के माध्यम से डॉलर लहर खुद को एक भरोसेमंद डेली एसेंशियल (रोज़मर्रा की ज़रूरत) के रूप में मजबूती से स्थापित करता है, जिसे एक मनोरंजक और यादगार कहानी के जरिए पेश किया गया है। उनकी हाजिरजवाबी और साख पुरुष दर्शकों के बीच बहुत लोकप्रिय है और यही जुड़ाव हमारे व्यापार की बढ़त में तब्दील हुआ है। इस साझेदारी की सबसे खास बात यह है कि उनका व्यक्तित्व हमारे ब्रांड की सोच के साथ पूरी तरह मेल खाता है,

इसलिए इस साथ को आगे बढ़ाना हमारे लिए एक बहुत ही स्वाभाविक कदम था। टीबीडब्ल्यूए/लिंटास द्वारा तैयार और मशहूर एड-फिल्म मेकरउजेर खानद्वारा निर्देशित यह नया विज्ञापन, रोज़मर्रा की कहानियों में एक कल्पनाशील मोड़ लाता है। फिल्म में दोस्तों का एक समूह अचानक एलियंसके सामने आ जाता है, जिससे शुरुआत में माहौल काफी तनावपूर्ण लगता है। हालांकि, वह पल तुरंत ही मजाक और मस्ती में बदल जाता है, जहाँ डॉलर लहर इनरवियर को एक बहुत ही चतुर और अप्रत्याशित तरीके से दिखाया गया है। शब्दों के बेहतरीन तालमेल और हल्के-फुल्के हास्य के साथ, डॉलर लहर बनियान का प्रदर्शन इस कहानी का मुख्य केंद्र बन जाता है, जो इसे एक ऐसे भरोसेमंद साथी के रूप में पेश करता है जो किसी भी स्थिति में आपके साथ खड़ा रहता है। यह फिल्म ब्रांड के आराम, भरोसे और जुड़ाव की भावना को समेटे हुए है, जो दर्शकों को याद दिलाती है कि कुछ साथी, जैसे कि एक विश्वसनीय डॉलर लहर बनियान, कभी आपका साथ नहीं छोड़ते, चाहे हालात कितने भी अजीब क्यों न हों।

पलक मुच्छल

नौ साल की उम्र में पहला एलबम 'चाइल्ड फॉर चिल्ड्रन', आज संगीत की दुनिया पर कर रहीं राज

संगीत की दुनिया में कुछ ही सिंगर्स ऐसे हैं, जिन्होंने कम उम्र में ही अपने हुनर से सबको हैरान कर दिया। पलक मुच्छल इन्हीं खास सिंगर्स में से एक हैं। आज पलक अपने सुरों की वजह से जानी जाती हैं। वह नेक कामों और चैरिटी के लिए भी पहचानी जाती हैं। उनके घर में संगीत का माहौल था। उनकी मां अमृता मुच्छल और पिता राजकुमार मुच्छल ने हमेशा उनके हुनर को प्रोत्साहित किया। पलक का एक छोटा भाई पलाश मुच्छल भी संगीत से जुड़ा है। बचपन से ही पलक की आवाज में एक अलग मिठास और गहराई थी, जिसे सुनकर हर कोई प्रभावित हो जाता था। पलक ने सिर्फ चार साल की उम्र में ही गाना शुरू कर दिया था। उन्होंने शास्त्रीय संगीत की ट्रेनिंग ली और बहुत कम उम्र में ही मंचों पर अपनी आवाज का जादू बिखेरना शुरु कर दिया। पलक के करियर की शुरुआत तब हुई जब उन्होंने महज 9 साल की उम्र में अपना पहला एलबम 'चाइल्ड फॉर चिल्ड्रन' रिलीज किया। इस एलबम को टिप्स म्यूजिक ने रिलीज किया था। इस एलबम के जरिए उन्होंने साबित कर दिखाया कि छोटी उम्र में भी बड़ा मुकाम हासिल किया जा सकता है।पलक ने करियर में आगे बढ़ते हुए कई एलबम और सिंगल्स किए। 'पलकें', 'आओ तुम्हें चांद पर ले जाएं', 'बेटी हूं महाकाल की' और 'दिल के लिए' जैसी कई एलबमों ने उनके हुनर को और भी चमकाया। बॉलीवुड में पलक की पहचान तब बनी जब सलमान खान ने उन्हें नोटिस किया। साल 2011 में फिल्म 'दमादम' के साथ पलक ने बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने सलमान खान की फिल्म 'एक था टाइगर' के 'लापता' गाने में अपनी आवाज दी और फिर सफलता के दरवाजे उनके लिए खुल गए। इसके बाद पलक ने 'आशिकी 2', 'गब्बर इज बैक', 'सनम रे' और 'एम एस धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी' जैसी फिल्मों में सुपरहिट गाने गाए। उनके गाने हमेशा लोगों की जुबां पर रहते हैं। पलक सिर्फ अपनी सिंगिंग ही नहीं बल्कि समाज सेवा के लिए भी जानी जाती हैं। उन्होंने अपनी कमाई का एक हिस्सा हार्ट पेशेंट बच्चों के इलाज में लगाया है और अब तक 2,000 से ज्यादा बच्चों की सर्जरी करवाई है। इसी नेक काम के लिए उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। पलक अपने जन्मदिन पर भी हार्ट पेशेंट बच्चों से मिलने जाती हैं और उनके लिए स्टेज शो आयोजित करती हैं। पलक मुच्छल को कई पुरस्कारों से नवाजा गया है। उन्होंने युवा कलाकार और लीड सिंगर के तौर पर कई सम्मान प्राप्त किए हैं।

आखिरकार भारत में रिलीज़ हो रही है नवाजुद्दीन सिद्दीकी की 'मैं एक्टर नहीं हूं'

नवाजुद्दीन सिद्दीकी के लिए हर किरदार एक नई जिंदगी जीने का मौका होता है। उनकी आगामी फिल्म 'मैं एक्टर नहीं हूं' 8 मई 2026 को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है, जिसमें एक बार फिर उन्होंने एक ऐसा किरदार निभाया है जिसने उन्हें भावनाओं के एक बिल्कुल नए पहलू को समझने का अवसर दिया। अपने किरदार 'अदनान' के बारे में बात करते हुए नवाजुद्दीन ने कहा, 'अदनान का किरदार मेरे बाकी किरदारों से काफी अलग है क्योंकि इसमें मैं एक रिटायर्ड व्यक्ति की भूमिका निभा रहा हूं। इस फिल्म और आदित्य की इस कहानी के जरिए मैंने उस उम्र के अनुभव को महसूस किया, जो मेरे पास पहले नहीं था। 'उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग प्रक्रिया को भी बेहद खास बताया। 'हम 3X3 की छोटी फोन स्क्रीन पर इमोशन्स को महसूस कर रहे थे और उन्हें परफॉर्म कर रहे थे। मैंने पहले कभी ऐसा अनुभव नहीं किया,' उन्होंने कहा, यह बताते हुए कि फिल्म का फॉर्मेट उनके लिए एक नई चुनौती था। 'कहा जाता है कि एक अभिनेता होने का सबसे अच्छा पहलू यह है कि हम एक ही जीवन में कई जिंदगियां जीते हैं। मुझे नहीं पता था कि रिटायर होने के बाद एक व्यक्ति की जिंदगी कैसी होती है। लेकिन इस फिल्म के जरिए मुझे यह समझ आया कि रिटायरमेंट के बाद किस तरह की चिंता, डिप्रेशन और अन्य भावनाएं मन में आती हैं। एक अभिनेता के तौर पर यह अनुभव मेरे लिए बेहद खास रहा।

सौरव गांगुली की बायोपिक की शूटिंग शुरू

'दादा' का रोल निभाने राजकुमार राव ने इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर कर दी जानकारी

एक्टर राजकुमार राव ने पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली की बायोपिक की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका टाइटल 'दादा' रखा गया है। इसकी जानकारी देते हुए राजकुमार ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'और यह शुरू होता है एकमात्र दादा। 'बता दें कि बायोपिक को लव रंजन प्रोड्यूस और विक्रमादित्य मोटवाने डायरेक्ट कर रहे हैं। इससे पहले सौरव गांगुली ने बताया था कि फिल्म में उनका रोल राजकुमार राव निभाएंगे, हालांकि डेट्स की समस्या के कारण फिल्म को रिलीज होने में एक साल से अधिक समय लग सकता है। राजकुमार राव जल्द ही एक और बायोपिक 'निकम' में नजर आएंगे, जो वकील उज्ज्वल निकम की जिंदगी पर आधारित है। इसके अलावा वे 'रफ्तार' में दिखाई देंगे, जिसमें कीर्ति सुरेश भी हैं। यह फिल्म 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सौरव गांगुली ने भारत के लिए 113 टेस्ट और 311 वनडे मैच खेले। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 18,575 रन बनाए, जिसमें वनडे में 11,363 और टेस्ट में 7,212 रन शामिल हैं। गांगुली वनडे क्रिकेट के इतिहास में 11,000 से अधिक रन बनाने वाले दुनिया के चुनिंदा बल्लेबाजों में से एक हैं। कप्तान के तौर पर उन्होंने भारत को 21 टेस्ट जीत दिलाई और 2003 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंचाया।

फिल्म 'रामायण' से सामने आया रणबीर कपूर का लुक

भगवान राम के रूप में गरिमा भरे अंदाज में दिखे

फिल्म 'रामायण' से रणबीर कपूर का भगवान राम के रूप में लुक सामने आ गया है। इसकी झलक हनुमान जयंती पर जारी की गई। भगवान राम के रूप में रणबीर का लुक सादगी, गरिमा और आध्यात्मिकता से भरा हुआ है। शाही वेशभूषा और बारीक आभूषणों के साथ उनका शांत और संतुलित रूप काफी अच्छा नजर आ रहा है। श्रीराम की पहली झलक प्रजा के बीच दिखाई गई। वीडियो में शानदार वीएफएक्स देखने को मिले हैं। बैकग्राउंड म्यूजिक भी शानदार है। भगवान राम का रोल निभाने के बारे में बात करते हुए रणबीर ने कहा था, 'मुझे नहीं लगता कि मैं यहां राम का रोल करने आया हूं। मैं यहां उनसे सीखने आया हूं। उनमें एक सादगी और पवित्रता है जो बहुत कम देखने को मिलती है और उसे समझने और अपनाने की कोशिश करना मेरे लिए बहुत ही विनम्र करने वाला अनुभव रहा है। 'फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के रोल में नजर आएंगे। 1987 के टीवी शो 'रामायण' में राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल इस फिल्म में राजा दशरथ की भूमिका में दिखेंगे। फिल्म का कुल बजट लगभग 4,000 करोड़ रुपए बताया जा रहा है, जो इसे भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी फिल्मों में शामिल करता है। फिल्म को नितेश तिवारी डायरेक्ट कर रहे हैं, जिन्होंने सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म दंगल बनाई थी। फिल्म का म्यूजिक ऑस्कर विनर ए.आर. रहमान और हॉलीवुड कंपोजर हैंस जिमर तैयार कर रहे हैं। फिल्म को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज, DNEG और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स बना रहे हैं। फिल्म IMAX पर रिलीज होगी। फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स (VFX) का काम ऑस्कर विनर स्टूडियो DNEG और प्राइम फोकस संभाल रहे हैं। फिल्म को दो भाग में रिलीज किया जाएगा। पहला भाग दिवाली 2026 और दूसरा भाग दिवाली 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होगा। रणबीर कपूर ने पहले ठुकरा दिया था रामायण का ऑफर:बेटी राहा के जन्म के बाद बदला फैसला, रामानंद सागर की रामायण देखकर की तैयारी, नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म 'रामायण' का पहला टीजर भारत में रिलीज हो गया। हाल ही में लॉस एंजेलिस में हुए फिल्म के स्पेशल प्रिव्यू सेशन रणबीर ने बताया कि उन्होंने पहले रामायण फिल्म का ऑफर ठुकरा दिया था।

'सुबह सही तो सब सही'

सामंथा रूथ प्रभु

ने शेयर किया अपना 'पावर मॉर्निंग' रूटीन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग फिटनेस, स्किन और मानसिक शांति के लिए कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन अक्सर छोटी-छोटी आदतों को नजरअंदाज कर देते हैं। इसको लेकर अब अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी 'पावर मॉर्निंग' रूटीन साझा की है। उन्होंने बताया कि कैसे सही तरीके से दिन की शुरुआत करने से न सिर्फ शरीर बल्कि दिमाग पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि उन्होंने कई तरह की मॉर्निंग रूटीन आजमाई हैं, लेकिन आखिरकार उन्हें एक ऐसा आसान तरीका मिला जो उनके लिए सबसे ज्यादा असरदार साबित हुआ। उन्होंने इसे 'पावर मॉर्निंग' नाम दिया। सामंथा ने कहा, ''अगर सुबह सही तरीके से शुरू होती है, तो पूरा दिन सबकुछ सही होता है। ऊर्जा अपने आप बेहतर हो जाती है।''वीडियो में सामंथा ने कहती है, ''कई बार लोग सब कुछ सही करने के बावजूद भी पेट की चर्बी कम नहीं कर पाते, स्किन की समस्याएं बनी रहती हैं या सुबह उठते समय चेहरा सूजा हुआ लगता है। इसकी एक बड़ी वजह गलत मॉर्निंग रूटीन हो सकती है। इसलिए लोगों को अपनी सुबह की आदतों पर ध्यान देना जरूरी है।''सामंथा ने खासतौर पर स्ट्रेस हार्मोन कॉर्टिसोल के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ''सुबह उठते ही शरीर में कॉर्टिसोल का स्तर ज्यादा होता है, जो सामान्य है। लेकिन अगर हम उठते ही फोन, न्यूज या काम देखने लगते हैं, तो यह स्ट्रेस और बढ़ जाता है। इससे दिनभर ध्यान कम रहता है।''अपनी रूटीन को विस्तार से बताते हुए सामंथा ने सबसे पहला नियम बताया कि उठने के बाद एक घंटे तक फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसके बाद कुछ मिनट शांति में बैठकर गहरी सांस लेनी चाहिए। इससे दिमाग को संकेत मिलता है कि आप सुरक्षित हैं, जिससे शरीर बेहतर तरीके से काम करता है और हेल्थ पर अच्छा असर पड़ता है। इसके अलावा, उन्होंने कहा, ''उठने के 10 मिनट के अंदर चेहरे पर धूप लेना फायदेमंद होता है। साथ ही एक हेल्दी ड्रिंक और संतुलित नाश्ता ब्लड शुगर को कंट्रोल रखता है।''इस वीडियो के कैप्शन में सामंथा ने लिखा, 'इस रूटीन को बनाने में मुझे कई साल लगे, लेकिन इसका असर मेरी जिंदगी पर गहराई से पड़ा है। आप 21 दिनों तक इस रूटीन को लगातार अपनाएं। शुरुआत में थोड़ी मुश्किल हो सकती है, लेकिन अगर आप इसे जारी रखते हैं तो आप खुद महसूस करेंगे कि आप अपनी जिंदगी को कितना बदल सकते हैं।'

(साभार एजेंसी)

मैच जीतना शतक बनाने से कहीं ज्यादा बेहतर एहसास देता है, रिजवी की पारी पर बोले पीटरसन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने युवा बल्लेबाज समीर रिजवी की जमकर तारीफ की है। बुधवार को एकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के अपने पहले मैच में रिजवी ने 47 गेंदों पर नाबाद 70 रन बनाकर दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ छह विकेट से शानदार जीत दिलाई।

पिछले साल डीसी के साथ मेंटर के तौर पर काम करने वाले पीटरसन ने बताया कि उन्होंने पिछले सीजन में रिजवी को बहुत करीब से देखा था और इस भारतीय बल्लेबाज के हुनर ??से काफी प्रभावित हुए थे। उन्होंने डीसी मैनेजमेंट से गुजारिश की कि वे रिजवी का साथ देते रहें और वह मैच जिताने वाली पारियां खेलकर इसका बदला चुकाएंगे।

पीटरसन ने जियो हॉटस्टार से कहा, उन्होंने हालात के हिसाब से बहुत ही शानदार बल्लेबाजी की और मुझे इसमें कोई हैरानी नहीं हुई। मैंने पिछले सीजन में समीर के साथ काफी समय बिताया था और उन्हें बहुत करीब से देखा था। उन्होंने एक वार्म-अप मैच में शतक भी बनाया था, लेकिन बदकिस्मती से टूर्नामेंट के पहले हाफ में उन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई थी। हालांकि जब सीजन के बाद के हिस्से में उन्हें मौका मिला, तो उन्होंने दिखा दिया कि उनमें कितना दम है। हर किसी ने उनकी तरफ देखा और कहा, यह लड़का एक जबरदस्त खिलाड़ी है, और हमें शायद कुछ समय तक इस पर भरोसा बनाए रखना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, जब आप किसी युवा खिलाड़ी पर भरोसा करते हैं, तो आपको यह विश्वास होना चाहिए कि वह खिलाड़ी आपके भरोसे पर खरा उतरेगा, और उसने इस मैच में ठीक वैसा ही किया है। उसने दबाव में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। जब आप किसी बड़े मैच में, खासकर आईपीएल के पहले मैच में अपनी टीम को जीत दिलाते हैं तो ऐसे हालात में जब माहौल काफी तनावपूर्ण हो, हर किसी की नजर आप पर हो, और आप शुरुआती 11 खिलाड़ियों में शामिल न हों तो उस मैच को जीतने का एहसास, किसी हाई-स्कोरिंग मैच में सिर्फ शतक बनाने से कहीं ज्यादा बेहतर होता है।

पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स के कोच के उस फैसले का भी समर्थन किया, जिसमें उन्होंने अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर से पहले ट्रिस्टन स्टब्स को बल्लेबाजी के लिए भेजा था। इंग्लैंड के इस पूर्व ओपनर के मुताबिक मिलर एक फिनिशर के तौर पर सबसे ज्यादा असरदार साबित होते हैं, जबकि स्टब्स टेस्ट क्रिकेट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी) दबाव को बेहतर तरीके से झेल सकते हैं।

उन्होंने कहा, यह कोई बहुत मुश्किल फैसला नहीं है। ट्रिस्टन स्टब्स नंबर तीन पर टेस्ट बैटर हैं। आपको ऐसे किसी खिलाड़ी की जरूरत होती है जो नई गेंद का सामना कर सके, जिसका डिफेंस सचमुच मजबूत हो, और जो दबाव झेल सके। डेविड मिलर एक व्हाइट-बॉल खिलाड़ी, एक फिनिशर, और ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं जिन्हें आप मैच के उस मोड़ पर बल्लेबाजी के लिए भेजना चाहेंगे।

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने केएल राहुल का विकेट लेकर बनाया बड़ा रिकॉर्ड

लखनऊ (एजेंसी)। बुधवार को लखनऊ में हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के अपने पहले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को दिल्ली कैपिटल्स के हाथों 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच के दौरान एलएसजी के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने एक ऐसा बड़ा कमाल किया जो आईपीएल के 18 साल के इतिहास में किसी और गेंदबाज ने नहीं किया है। जब दिल्ली ने लखनऊ के के खिलाफ 142 रनों के लक्ष्य हासिल करने की शुरूआत की तो शमी ने पहली ही गेंद पर ओपनर केएल राहुल को आउट कर दिया। इस विकेट के साथ शमी टूर्नामेंट के इतिहास में ऐसे पहले गेंदबाज बन गए जिन्होंने 5 बार मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लिया है।

आईपीएल के इतिहास में पहली गेंद पर सबसे ज्यादा विकेट

- 5 – मोहम्मद शमी
- 3 – प्रवीण कुमार
- 3 – उमेश यादव
- 3 – ट्रेंट बोल्ट
- 3 – लसिथ मलिंगा
- 3 – भुवनेश्वर कुमार
- 3 – अशोक डिंडा
- 3 – पैट कमिंस

समीर रिजवी ने इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर आकर अपनी प्रतिभा का जबरदस्त प्रदर्शन किया जिससे दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ शुरुआती झटकों के बावजूद 6 विकेट से आसान जीत हासिल की और आईपीएल में अपनी जीत की शुरुआत की। 142 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली ने शुरुआती 5 ओवरों में ही 26 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे। लेकिन टी नटराजन की जगह आए रिजवी (47 गेंदों पर 70 रन, नाबाद) ने अनुभवी ट्रिस्टन स्टब्स (32 गेंदों पर 39 रन, नाबाद) के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 119 रनों की अटूट साझेदारी की और सिर्फ 17.1 ओवरों में ही टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इससे पहले, स्स्ल ने बल्लेबाजी में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन किया और कुछ गलत रणनीतिक फैसलों के चलते 18.4 ओवरों में सिर्फ 141 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

आईपीएल 2026

आज पंजाब किंग्स के खिलाफ धोनी पर रहेगी सबकी नजर

प्रैक्टिस नेट्स में लौटे धोनी

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए राहत भरी खबर सामने आई है, जहां टीम के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी चोट के बाद प्रैक्टिस नेट्स में लौट आए हैं। उनकी वापसी के संकेतों ने फैंस की उम्मीदें बढ़ा दी हैं और अब सबकी नजर आगामी बड़े मुकाबले पर टिकी है, जहां धोनी मैदान पर वापसी कर सकते हैं। हालांकि उनकी फिटनेस को लेकर अंतिम फैसला अभी बाकी है। अब सीएसके का अगला मैच 3 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ है और सभी की नजर इस मैच पर टिकी है। धोनी की नेट्स में वापसी के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या वह इस मैच में खेल सकते हैं। हालांकि टीम मैनेजमेंट कैल्फ इंजरी को देखते हुए कोई जोखिम नहीं लेना चाहेगा।

कंट्रोल्ड नेट सेशन में की बल्लेबाजी – सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में धोनी नेट्स में बल्लेबाजी करते दिखे, जहां उन्होंने डिफेंसिव शॉट्स के साथ कुछ बड़े शॉट्स भी लगाए। हालांकि यह पूरी मैच सिमुलेशन प्रैक्टिस नहीं थी, बल्कि वह धीरे-धीरे अपनी लय हासिल करने की कोशिश करते दिखे। इससे साफ है कि टीम मैनेजमेंट उनकी वापसी को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता।

पहले मैच में दिखी धोनी की कमी – सीजन के पहले मैच में राजस्थान के खिलाफ छ्स्च की टीम सिर्फ 127 रन ही बना सकी थी। टीम को सबसे ज्यादा कमी एक अनुभवी फिनिशर की खली। जेमी ओवर्टन ने 43 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन पारी में वह ठहराव और फिनिश नहीं दिखा जो आमतौर पर धोनी देते हैं।

अनुभव बनाम फिटनेस - बड़ा फैसला

धोनी आईपीएल के सबसे सफल फिनिशरों में से एक हैं और उनके आंकड़े इसे साबित करते हैं। उन्होंने आईपीएल में 5400 से ज्यादा रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी शानदार है। लेकिन उनकी फिटनेस को देखते हुए सीएसके उन्हें शुरुआत में बतौर स्पेशलिस्ट बल्लेबाज भी खिला सकती है।

अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं

धोनी की वापसी को लेकर अभी तक सीएसके की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। फिलहाल उनका नेट्स में लौटना एक सकारात्मक संकेत जरूर है, लेकिन उनकी वापसी पूरी तरह मेडिकल क्लीयरेंस पर निर्भर करेगी।

दूध बेचने से लेकर गोल्ड मेडल तक

जम्मू-कश्मीर के पहलवान हमाम हुसैन की संघर्ष भरी है कहानी

अंबिकापुर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलवान हमाम हुसैन की कहानी मेहनत, संघर्ष और सपनों की मिसाल है। जब वह कुश्ती की प्रैक्टिस नहीं कर रहे होते, तब अपने बड़े भाई के साथ घर-घर दूध पहुंचाने का काम करते हैं। पिता की पांच साल पहले मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी दोनों भाइयों पर आ गई थी, जिसके बाद उनके बड़े भाई को कुश्ती छोड़कर दूध बेचने का काम करना पड़ा।

14 साल की मेहनत के बाद मिला पहला गोल्ड

हमाम हुसैन ने आखिरकार खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में पुरुष 79 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर अपने 14 साल के करियर का पहला राष्ट्रीय स्वर्ण पदक हासिल किया। फाइनल में उन्होंने हिमाचल प्रदेश के मोहित कुमार को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। यह जीत उनके लंबे संघर्ष और मेहनत का नतीजा है।

गांव से 40 किमी दूर जाकर करते हैं प्रैक्टिस

सीमित सुविधाओं के बावजूद हमाम ने कभी हार नहीं मानी। वह अपने गांव से करीब 20 किलोमीटर दूर मिट्टी के अखाड़े में अभ्यास करते हैं और मैट प्रैक्टिस के लिए लगभग 40 किलोमीटर दूर जम्मू जाना पड़ता है। इतनी कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने अपने सपने को जिंदा रखा और लगातार मेहनत करते रहे।

बिना पर्सनल कोच के की तैयारी

हमाम के पास कोई पर्सनल कोच नहीं है। गांव के अखाड़े में सीनियर पहलवान ही उन्हें ट्रेनिंग देते हैं और जब वह मैट पर प्रैक्टिस करने जाते हैं, तब वहां कोच की मदद मिलती है।

7 महीने से टीम से बाहर थे, बोर्ड ने कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू नहीं किया

साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज रासी डुसेन ने संन्यास लिया

केपटाउन (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के दिग्गज मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज रासी वैन डर डुसेन ने अंतरराष्टीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने साल 2026-27 के सीजन के लिए उनके सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को रिन्यू नहीं किया गया था, जिसके बाद 37 साल के खिलाड़ी ने यह फैसला लिया। डुसेन पिछले 7 महीनों से नेशनल टीम का हिस्सा नहीं थे और उन्होंने अपना आखिरी मैच अगस्त 2025 में खेला था।

उन्होंने गुरुवार सुबह इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके यह जानकारी दी। घरेलू टीम लायंस के लिए वे खेलते रहेंगे, फ्रैंचाइजी क्रिकेट में भी हिस्सा लेंगे। डुसेन ने लिखा,भारी मन के साथ मैं इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं। प्रोटियाज की जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है।

वनडे में डिविलियर्स के बाद सबसे शानदार औसत

रासी वैन डर डुसेन का वनडे करियर बेहद प्रभावी रहा। उन्होंने 71 वनडे मैचों में करीब 52 की औसत से रन बनाए, जो साउथ अफ्रीका के इतिहास में महान बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के बाद दूसरा सर्वश्रेष्ठ औसत है।

उन्होंने अपने करियर में 6 शतक और 17 अर्धशतक जड़े। खास बात यह रही कि 2019 में अपने डेब्यू के बाद शुरुआती 9 मैचों में ही उन्होंने 5 फिफ्टी लगाकर अपनी जगह पक्की कर ली थी।

- **डिविलियर्स की वापसी पर खुलकर रखी थी राय–** 2019 वर्ल्ड कप के दौरान जब एबी डिविलियर्स ने संन्यास से वापसी की पेशकश की थी, तब डुसेन ने इस मुद्दे पर बेबाकी से अपनी बात रखी थी। उन्होंने स्वीकार किया था कि अगर डिविलियर्स वापस आते, तो इसका सीधा असर उनके चयन पर पड़ता। उस खराब वर्ल्ड कप अभियान में भी डुसेन साउथ अफ्रीका के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे। इसके बाद 2023 वर्ल्ड कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भी वे टीम के टॉप स्कोरर में शामिल रहे।
- **टेस्ट में नहीं लगा सके एक भी शतक–** जहां व्हाइट बॉल क्रिकेट (वनडे और टी-20) में डुसेन का दबदबा रहा, वहीं टेस्ट क्रिकेट में उनकी कहानी कुछ अधूरी सी रही। उन्होंने 18 टेस्ट मैचों में 6 अर्धशतक लगाए और एक बार 98 रन पर आउट होकर शतक से चूक गए। 2021-22 के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उन्हें टेस्ट टीम से ड्रॉप कर दिया गया था और उसके बाद उन्होंने कोई फर्स्ट क्लास मैच भी नहीं खेला।
- **अब मेंटर की भूमिका में नजर आएंगे डुसेन–** संन्यास के बाद डुसेन अपनी घरेलू टीम लायंस के लिए खेलना जारी रखेंगे और दुनिया भर की टी-20 लीग्स (जैसे एसए20 में एमआई केप टाउन) में सक्रिय रहेंगे। उन्होंने कहा कि अब उनका लक्ष्य अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों को सिखाना और उन्हें मेंटर करना है।

बोर्ड ने नहीं दी मंजूरी, आरसीबी खिलाड़ी नुवान थुशारा ने आईपीएल खेलने के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के तेज गेंदबाज नुवान थुशारा ने गुरुवार को मौजूदा आईपीएल में खेलने के अपने अधिकार सुरक्षित करने के लिए कोर्ट से आदेश की मांग की। यह कदम उन्होंने तब उठाया जब देश के क्रिकेट बोर्ड ने 'फिटनेस टेस्ट में फेल होने' के कारण उन्हें 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' देने से इनकार कर दिया। इस 31 वर्षीय तेज गेंदबाज का रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ कॉन्ट्रैक्ट है, ने कोलंबो जिला कोर्ट में एक केस दायर किया है। इसमें उन्होंने कोर्ट से श्रीलंका क्रिकेट को एनओसी जारी करने का निर्देश देने वाले आदेश की मांग की है। इस मामले की सुनवाई 9 अप्रैल को तय की गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार 2022 से अब तक अपने देश के लिए 30 टी20 अंतरराष्टीय मैच खेल चुके इस खिलाड़ी ने कोर्ट में दलील दी है कि एलएससी के साथ उनका कॉन्ट्रैक्ट 31 मार्च को खत्म हो गया था और उनकी इसे आगे बढ़ाने की कोई इच्छा नहीं थी।

न्यूजीलैंड का विमेंस वनडे में सबसे बड़ा रनचेज

भारत का रिकॉर्ड तोड़ा, केर ने 179 रन बनाए

वेलिंग्टन (एजेंसी) न्यूजीलैंड ने विमेंस वनडे का सबसे बड़ा रनचेज कर लिया। टीम ने दूसरे वनडे में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 विकेट से जीत हासिल की। अमेलिया केर की नाबाद 179 रन की पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने 348 रन का लक्ष्य 49.4 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल किया और सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। वेलिंग्टन में बुधवार को न्यूजीलैंड ने भारत का रिकॉर्ड तोड़ दिया। विमेंस वर्ल्ड कप 2025 के सेमीफाइनल में इंडियन विमेंस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट खोकर 341 रन का टारगेट हासिल किया था।

इसाबेला की पारी ने मैच पलटा

348 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सूजी बेट्स जल्दी आउट हो गई। इसके बाद अमेलिया केर ने पारी संभाली और जॉर्जिया प्लिमर के साथ 52 रन की साझेदारी की। मिडिल ओवर्स में टीम का स्कोर 130/4 हो गया था और मैच साउथ अफ्रीका की पकड़ में दिख रहा था। तभी केर को इसाबेला गेज का साथ मिला, जिन्होंने 48 गेंद में 68 रन बनाकर मैच का रुख बदल दिया। दोनों के बीच 120 रन की तेज साझेदारी हुई।

साउथ अफ्रीका ने 346 रन बनाए थे

इससे पहले साउथ अफ्रीका ने 50 ओवर में 346/6 रन बनाए थे। लौरा वोलवार्ट और एनेके बोश ने दूसरे विकेट के लिए 132 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अंत में क्लो ट्रायन ने 25 गेंद में नाबाद 52 रन बनाकर स्कोर 347 तक पहुंचाया।

केर ने 23 चौके लगाए

अमेलिया केर ने 139 गेंद में नाबाद 179 रन बनाए, जिसमें 23 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। उन्होंने पहले पारी को संभाला और फिर तेजी से रन बनाते हुए टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। आखिर में केर ने ही चौका लगाकर मैच खत्म किया और टीम को यादगार जीत दिलाई।

विलियम्स ने टीम इंडिया के लिए छोड़ी ऑस्ट्रेलिया की नागरिकता

कोच्चि (एजेंसी) भारतीय फुटबॉल के लिए एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर का हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ मैच एक खास पल का गवाह बना। भारत ने मैच 2-1 से जीतकर टूर्नामेंट में अपना सफर खत्म किया। यह भारत की प्रतियोगिता में पहली और कोच्चि के मैदान पर भी पहली जीत रही। भारत की ओर से रयान विलियम्स (4') और आकाश मिश्रा (50') ने गोल किए। ऑस्ट्रेलियाई मूल के 32 वर्षीय रयान इस मैच में भारत के लिए डेब्यू कर रहे थे।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का जलवा

आदित्य की 5-0 से धमाकेदार जीत

नईदिल्ली (एजेंसी)। मंगोलिया के उलानबटार में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत के स्टार बॉक्सर आदित्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में सऊदी अरब के मौसा अलहवसाव को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। मौजूदा राष्टीय चैंपियन आदित्य ने पूरे मुकाबले में अपनी तकनीक और नियंत्रण का बेहतरीन प्रदर्शन किया और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही अब उनका अगला मुकाबला उजबेकिस्तान के अब्दुल्लोह मादामिनोव से होगा, जिसे काफी कड़ा मुकाबला माना जा रहा है। आदित्य ने इस मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने अपने पंचों की सटीकता और रिंग में मूवमेंट के दम पर मुकाबले को पूरी तरह नियंत्रित रखा। इससे पहले भी वह जनवरी में आयोजित 9वीं एलीट मेंस नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं और उसी लय को यहां भी बरकरार रखा है। इस चैंपियनशिप में भारत ने पहले दिन से ही शानदार शुरुआत की थी। महिला 54 किलोग्राम वर्ग में प्रीति पवार ने कजाकिस्तान की एलिना बाजारोवा को 5-0 से हराया। वहीं पुरुष 70 किलोग्राम वर्ग में दीपक ने उजबेकिस्तान के खवासबेक असदुल्लाएव को कड़े मुकाबले में 3-2 से मात दी और अपनी क्षमता का परिचय दिया। दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों का दबदबा जारी रहा। महिला 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ने कजाकिस्तान की रिम्मा वोलोसेंको को 5-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। वहीं पुरुष 55 किलोग्राम वर्ग में जादुमणि सिंह ने जापान के रुई यामागुची के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेला, लेकिन वह 2-3 के करीबी फैसले में हार गए।

तीसरे दिन भी भारत का प्रदर्शन शानदार रहा, जहां विश्वनाथ सुरेश और सचिन ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले दौर में जगह बनाई। विश्वनाथ ने पुरुष 50 किलोग्राम वर्ग में किर्गिस्तान के बेकजात एरगेशोव को 5-0 से हराया, जबकि सचिन ने 60 किलोग्राम वर्ग में मंगोलिया के बायंदालाई बायारखू को 4-1 से हराकर अपनी जगह पक्की की।

मुझे पक्का नहीं पता कि अमेरिका के लोगों में ईरान के साथ युद्ध को जारी रखने का धैर्य है या नहीं : ट्रंप

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उन्हें पक्का नहीं पता है कि अमेरिका के लोगों में ईरान के साथ चल रहे युद्ध को जारी रखने का धैर्य है या नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस में ईस्टर से संबंधित दोपहर के भोजन के दौरान उनकी निजी टिप्पणियां इस बात का संकेत देती हैं कि राष्ट्रपति पर युद्ध को समाप्त करने के लिए घरेलू दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका बहुत आसानी से ईरान का तेल अपने नियंत्रण में ले सकता है, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिकी जनता में इसके लिए धैर्य नहीं दिख रहा है।

उन्होंने कहा, लोग इस युद्ध को खत्म होते देखना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के तेल पर कब्जा करना चाहते हैं, लेकिन देश के लोग कहते हैं- बस जीत हासिल करो। तुम बहुत बड़ी जीत के करीब हो। बस जीतकर घर लौट आओ। उन्होंने कहा, मुझे इससे भी कोई दिक्कत नहीं है। उनके इस भाषण का वीडियो बिजनेस इनसाइडर के एक रिपोर्टर ने ऑनलाइन पोस्ट किया। रिपोर्टर के अनुसार, व्हाइट हाउस ने बंद कमरे में हुए इस कार्यक्रम का वीडियो अपलोड किया था, जिसे उन्होंने बाद में निजी कर दिए जाने से पहले डाउनलोड कर लिया। इस वीडियो को हटाने के कारण पर व्हाइट हाउस ने एसोसिएटेड प्रेस के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। इस निजी भोज कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने यह भी कहा कि चीन, जापान और दक्षिण कोरिया को हॉर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने में शामिल होना चाहिए। इससे पहले भी ट्रंप ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सहयोगियों पर नाराजगी जताई थी, क्योंकि वे ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई पूरी होने तक इस जलडमरूमध्य की सुरक्षा में शामिल होने को लेकर हिचकिचा रहे थे। बुधवार को व्हाइट हाउस में आयोजित इस निजी भोज कार्यक्रम में ट्रंप ने कुछ एशियाई देशों पर भी नाराजगी जताई, जो अमेरिका की तुलना में खाड़ी देशों के तेल पर अधिक निर्भर हैं। ट्रंप ने इस दौरान नाटो को बहुत खराब सहयोगी और कागज़ी शेर भी बताया। उन्होंने कहा, नाटो ने हमारे साथ बहुत बुरा व्यवहार किया है और इसे याद रखना चाहिए, क्योंकि अगर हमें कभी उनकी जरूरत पड़ी तो वे फिर ऐसा ही करेंगे। उम्मीद है कि हमें उनकी जरूरत कभी नहीं पड़ेगी। मुझे नहीं लगता कि वे बहुत कुछ कर सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, अगर कभी कोई बड़ा युद्ध हुआ, तो नाटो हमारे साथ नहीं होगा।

दवा आपूर्ति की एक बड़ी चुनौती इसका वैश्विक निर्भरता होना

ईरान युद्ध से दवा आपूर्ति पर असर की आशंका, फिलहाल स्थिति नियंत्रण में

» मेलबर्न, भाषा।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष, विशेषकर ईरान से जुड़े युद्ध के कारण ईंधन, समुद्र मार्ग से सामान की आवाजाही और खाद्य आपूर्ति बाधित हो रही है, जिससे अब दवाओं की उपलब्धता को लेकर भी चिंता बढ़ने लगी है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि अल्प से मध्यम अवधि में आम दवाओं की उपलब्धता पर बड़ा असर पड़ने की संभावना कम है, लेकिन लंबी अवधि में जोखिम बढ़ सकता है। ऑस्ट्रेलिया की दवा आपूर्ति प्रणाली को अल्पकालिक व्यवधानों से निपटने के लिए तैयार किया गया है। जुलाई 2023 से सरकार ने फार्मास्युटिकल बेनिफिट्स स्कीम (पीबीएस) के तहत आने वाली कई दवाओं के लिए न्यूनतम भंडारण अनिवार्य किया है।

इसके तहत दवा कंपनियों को चार से छह महीने का भंडार देश के भीतर रखना होता है। इससे किसी संभावित कमी की स्थिति में नियामक एजेंसियों को समय मिल जाता है। ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय दवा नियामक संस्था थेरेप्यूटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन (टीजीए) इस दौरान आपूर्ति बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठा सकती है। दवाओं का भंडारण एक ही स्थान पर न होकर विभिन्न थोक विक्रेताओं और फार्मेसियों में फैला होता है, जिससे देशभर में उनकी उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। हालांकि यह सुरक्षा सभी दवाओं पर लागू नहीं होती। जो दवाएं पीबीएस सूची में शामिल नहीं हैंजैसे नई दवाएं या निजी पर्चे पर मिलने वाली दवाएं उनमें कमी का खतरा अधिक होता है। इन दवाओं के लिए आमतौर पर कम भंडारण और सीमित आपूर्तिकर्ता होते हैं। ऑस्ट्रेलिया पहले से ही कुछ दवाओं की कमी का सामना कर रहा है। उदाहरण के लिए, ध्यान-अभाव अतिसक्रियता विकार (अटेन्शन डिफिसिट हाइपरएक्टिविटी... एडीएचडी) की दवाएं और कुछ एंटीबायोटिक्स तथा हार्मोन थेरेपी की दवाएं वैश्विक मांग और उत्पादन बाधाओं के कारण प्रभावित हुई हैं। दवा आपूर्ति की एक बड़ी चुनौती इसका वैश्विक निर्भरता होना है। ऑस्ट्रेलिया में उपयोग होने वाली 90 प्रतिशत से अधिक दवाएं विदेशों से आती हैं। अमेरिका, यूरोप, भारत और चीन इसके प्रमुख स्रोत हैं। विशेष रूप से भारत और चीन कच्चे माल के प्रमुख आपूर्तिकर्ता हैं, जिससे वैश्विकआपूर्ति श्रृंखला बेहद संवेदनशील बन जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार, दवा आपूर्ति प्रणाली एक नेटवर्क की तरह होती है, जिसमें कई कड़ियां जुड़ी होती हैं। यदि इनमें से एक या अधिक कड़ियां जैसे उत्पादन, परिवहन या कच्चा मालप्रभावित होती हैं, तो पूरे नेटवर्क पर असर पड़ सकता है। युद्ध के कारण समुद्र मार्ग से सामान की आवाजाही में देरी, हवाई परिवहन में बाधा और उत्पादन में कमी जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

ईरान में जल्द काम खत्म करेगी अमेरिकी सेना : ट्रंप

वाशिंगटन, (भाषा)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि अमेरिकी सेना ईरान में जल्द ही काम खत्म कर देगी क्योंकि मुख्य रणनीतिक उद्देश्य पूरे होने वाले हैं। ट्रंप ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान पर हमले करने के करीब एक महीने बाद राष्ट्र के नाम अपने पहले संबोधन में अपने इस कदम का बचाव किया। अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर 28 फरवरी, 2026 को पहली बार हमला किया था जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की और पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू हो गया। ट्रंप ने ईरान के खिलाफ हमलों के संदर्भ में कहा, अगले दो से तीन सप्ताह में हम उन पर बेहद कड़ा प्रहार करेंगे। हम उन्हें पाषाण युग में भेज देंगे, जहां उन्हें वास्तव में होना चाहिए। ट्रंप ने लगभग 20 मिनट के इस संबोधन में हाल के हफ्तों में कही गई अपनी कई बातों को दोहराया। जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, कई अमेरिकी मानते हैं कि अमेरिका की सेना ने ईरान में जरूरत से ज्यादा हस्तक्षेप किया है। पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण गैस एवं तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। ऐसे में ट्रंप के इस भाषण से जनभावना में कोई खास बदलाव आने की संभावना नहीं लगती। ट्रंप के बयान का वैश्विक वित्तीय बाजारों पर तत्काल असर दिखा। ईरान पर अमेरिका के कड़े हमले जारी रखने संबंधी ट्रंप की टिप्पणियों के बाद तेल की कीमतों में चार प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई और एशियाई शेयर बाजार गिर गए। ट्रंप ने कहा, मुझे आज रात यह कहते हुए खुशी हो रही है कि मुख्य रणनीतिक उद्देश्य लगभग पूरे होने वाले हैं। उन्होंने कहा, हम काम खत्म करने वाले हैं और हम इसे बहुत तेजी से पूरा करेंगे। हम बहुत करीब पहुंच चुके हैं। राष्ट्रपति ने ईरान में अमेरिकी जमीनी सैन्य बल भेजने की संभावना का जिक्र नहीं किया और ना ही उन्होंने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का उल्लेख किया जबकि वह होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित रखने के मामले में मदद नहीं करने पर नाटो सहयोगियों की आलोचना करते रहे हैं। उन्होंने ईरान के साथ बातचीत के बारे में भी कुछ नहीं कहा और न ही इस जलमार्ग को खोलने के लिए उनके द्वारा ईरान को दी गई छह अप्रैल की समयसीमा का जिक्र किया। ट्रंप ने कहा, प्रथम विश्व युद्ध एक साल, सात महीने और पांच दिन चला था। द्वितीय विश्व युद्ध तीन साल, आठ महीने और 25 दिन तक जारी रहा था। उन्होंने कहा कि तुलनात्मक रूप से ईरान में कार्रवाई 32 दिन तक चली है, और यह इतनी शक्तिशाली, इतनी शानदार रही है कि सबसे शक्तिशाली देशों में शामिल देश अब वास्तव में कोई खतरा नहीं है। ट्रंप ने कहा, पिछले सप्ताह हमारे सशस्त्र सैन्य बलों ने युद्धक्षेत्र में कई तेज, निर्णायक और जबरदस्त जीत हासिल की हैं। उन्होंने कहा, बी-2 बमवर्षक विमानों से जिन परमाणु ठिकानों को हमने ध्वस्त किया, उन पर इतना भीषण प्रहार हुआ है कि परमाणु धूल के पास पहुंचने में भी महीनों लग जाएंगे। हम उन पर उपग्रहों के जरिए कड़ी निगरानी और नियंत्रण रखे हुए हैं।

ईरान ने इजराइल और खाड़ी देशों पर मिसाइल हमले किए

दुबई, (भाषा)। ईरान ने बृहस्पतिवार को इजराइल और खाड़ी के अरब देशों पर और मिसाइलें दागकर यह संकेत दिया कि वह फिलहाल हमले नहीं रोकेगा जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान से खतरा लगभग खत्म हो चुका है और युद्ध जल्द खत्म हो जाएगा। पड़ोसी देशों पर ईरान के हमलों और होर्मुज जलडमरुमध्य पर उसके नियंत्रण से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई है, जिसका असर पश्चिम एशिया के साथ-साथ दुनियाभर में देखा जा रहा है। युद्ध में यह ईरान की सबसे बड़ी रणनीतिक बढ़त साबित हुई है। ब्रिटेन इस जलडमरूमध्य को फिर से खुलवाने के तरीकों पर 30 से अधिक देशों के साथ चर्चा करने की योजना बना रहा है। इस क्षेत्र से दुनियाभर में लगभग 20 प्रतिशत तेल की आपूर्ति होती थी। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि इस जलडमरूमध्य को बलपूर्वक खोला जा सकता है लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि यह काम अमेरिका का नहीं है। बुधवार रात अमेरिकी जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने होर्मुज से गुजरने वाले तेल पर निर्भर देशों से देर से सही, हिम्मत दिखाने और इसे अपने कब्जे में लेने की अपील की। ईरान ने ट्रंप के भाषण का दृढ़ता से जवाब दिया। ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई इतनी निर्णायक रही है कि सबसे शक्तिशाली देशों में से एक माने जाने वाले ईरान से अब वास्तव में कोई खतरा नहीं रहा। ईरानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इब्राहिम जुल्फिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि तेहरान के पास अभी भी छिपे हुए हथियार, गोला-बारूद और उत्पादन सुविधाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा, जिन केंद्रों को आप निशाना बनाने का दावा करते हैं, वे महत्वहीन हैं, और हमारा रणनीतिक सैन्य उत्पादन ऐसे स्थानों पर होता है जिनकी आपको कोई जानकारी नहीं है और आप वहां कभी नहीं पहुंच सकते।

न्यूज ब्रीफ

उत्तरी इंडोनेशिया के जलक्षेत्र में भूकंप से उठीं सुनामी की लहरें

» जकार्ता, भाषा।

इंडोनेशिया के जलक्षेत्र में बृहस्पतिवार को आए भूकंप से सुनामी की छोटी लहरें उठीं, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और घरों एवं इमारतों को नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप की तीव्रता 7.4 थी और इसका केंद्र मोलूका सागर में 35 किलोमीटर की गहराई पर था। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान एवं भूभौतिकी एजेंसी के अनुसार, भूकंप के आधे घंटे से भी कम समय में कई निगरानी केंद्रों में सुनामी की लहरें दर्ज की गईं, जिनमें बिटुंग में आठ इंच और पश्चिम हलमाहेरा में एक फुट ऊंची लहरें शामिल हैं। होनोलुलु स्थित प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा कि दक्षिणी फिलीपीन के दावाओ में दो इंच ऊंची लहरें उठीं लेकिन दूरदराज के क्षेत्रों के लिए सुनामी का कोई खतरा नहीं है।

इंडोनेशिया की आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार उत्तरी सुलावेसी प्रांत के तटीय शहर बिटुंग और आसपास के इलाकों के साथ-साथ पड़ोसी प्रांत उत्तर मलुकु के टेरनेट शहर में 10 से 20 सेकंड तक भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। प्रारंभिक आकलन से पता चला है कि टेरनेट के कुछ हिस्सों में थोड़ा नुकसान हुआ है। स्थानीय आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने बताया कि बटांग दुआ द्वीप जिले में एक गिरजाघर प्रभावित हुआ है और दक्षिण टेरनेट में दो घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। बिटुंग में नुकसान का आकलन अभी जारी है। इंडोनेशिया की खोज और बचाव एजेंसी ने बताया कि उत्तरी सुलावेसी के मिनाहासा जिले में 70 वर्षीय महिला की मौत हो गई और एक अन्य निवासी घायल हो गया। आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहरी ने एक बयान में कहा, इस समय सावधानी बरतने की जरूरत है, खासकर तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि जब तक अधिकारी अनुमति न दें तब तक वे जलक्षेत्र में नहीं जाएं। अधिकारियों ने बताया कि दोनों झटकों से सुनामी का खतरा नहीं है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आईईडी विस्फोट में चार पुलिसकर्मी समेत नौ लोग घायल

» पेशावर, भाषा।

पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में बुधवार को एक आईईडी में विस्फोट होने से चार पुलिसकर्मियों सहित नौ लोग घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी। जिला पुलिस प्रवक्ता कुदरतुल्लाह खान ने बताया कि यह घटना लक्की मारवत जिले के सेराई नौरंग कस्बे में फल और सब्जी बाजार के पास व्यस्त बन्नू-डीआई खान रोड पर हुई। उन्होंने बताया कि शुरुआती जानकारी के अनुसार, हमलावरों ने शहीद असमतुल्लाह खान खट्टक थाने के एक पुलिस गश्ती दल को निशाना बनाया। खान ने बताया कि जिस वाहन में दल गश्त कर रहा था वह भी विस्फोट में क्षतिग्रस्त हो गया।

उन्होंने बताया कि हमलावरों ने इलाके से गुजर रही पुलिस वैन को निशाना बनाने के लिए एक मोटरसाइकिल में आईईडी लगाया था। बन्नू क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी सज्जाद खान ने अस्पताल में घायलों से मुलाकात की और प्रशासन को उन्हें बेहतर से बेहतर चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आतंकवादियों द्वारा किए गए ऐसे कायरतापूर्ण कृत्य पुलिस कर्मियों के संकल्प को नहीं तोड़ पाएंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि पुलिस शांति के शत्रुओं की नापाक योजनाओं को विफल करने के लिए पूरी तरह से तैयार और प्रतिबद्ध है।

अमेरिका से लड़ने के लिए तैयार सत्तर लाख ईरानीः कालीबाफ

» तेहरान, भाषा।

ईरान की संसद के अध्यक्ष ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि 70 लाख ईरानी किसी भी अमेरिकी जमीनी आक्रमण के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार हैं। मोहम्मद बाकिर कालीबाफ ने युद्ध की शुरुआत से ही अमेरिका को चुनौती देने वाली कई पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा की हैं।

उन्होंने एक्स पर लिखा, एक हफ्ते से भी कम समय में पूरे देश में एक बड़ा अभियान चलाया गया, जिसमें लगभग 70 लाख ईरानी सामने आए और कहा कि वे हथियार उठाकर अपने देश की रक्षा के लिए तैयार हैं। सोशल मीडिया पर कई दिन से इस दावे के संबंध में पोस्ट की जा रही हैं।

पाकिस्तान में भारी बारिश से 12 लोगों की मौत, बाढ़ की चेतावनी

» कराची, भाषा।

पाकिस्तान के विभिन्न प्रांतों में भारी बारिश, आंधी और अचानक आई बाढ़ के कारण पिछले 24 घंटे में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। कराची में बृहस्पतिवार को चार घंटे तक औसतन 30 से 45 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कराची में बृहस्पतिवार सुबह शुरू हुई भारी बारिश के कारण प्राधिकारियों ने आपात स्थिति घोषित कर दी। बारिश से जलमग्न हुए शहर में सामान्य जीवन और यातायात बुरी तरह से बाधित हो गया है। इधी ट्रस्ट और चिप्पा वेलफेयर सहित बचाव सेवाओं ने विभिन्न क्षेत्रों में बिजली करंट लगने और घरों की दीवारें ढहने से पांच लोगों की मौत की पुष्टि की है।

कराची में तेज हवाओं के चलने से साइनबोर्ड गिर गए, पेड़ उखड़ गए और कई इलाकों में सड़कें जलमग्न हो गई, जिससे प्राधिकारियों को आपात स्थिति घोषित करनी पड़ी। बारिश शुरू होते ही शहर के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने कहा कि बृहस्पतिवार दोपहर तक कराची में विभिन्न स्थानों पर औसत वर्षा 30 से 45 मिलीमीटर के बीच दर्ज की गई। आधिकारिक पीएमडी आंकड़ों के अनुसार, सुबह 10 बजे से अपराह्न दो बजे के बीच नजीमाबाद (पापोश नगर) में सबसे अधिक 69.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, उसके बाद केमारी में 56 मिमी और सादी टाउन में 48 मिमी वर्षा हुई। कराची में पीएमडी की मौसम विज्ञानी अंजुम नजीर ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम और देर रात कराची में और बारिश होने के आसार हैं। पाकिस्तान आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ ने बुधवार से हुई भारी बारिश के कारण बलूचिस्तान के तुरबत, कोहलो, जाफरबाद, लोरालाई, हरनाई और क्वेटा सहित विभिन्न हिस्सों में सात लोगों की मौत की सूचना दी है। भारी बारिश के कारण लगभग 100 घर क्षतिग्रस्त हो गए और 50 पशु मारे गए। बारिश से प्रांत की राजधानी क्वेटा से लगभग 100 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में स्थित किला अब्दुल्ला में अचानक जलभराव हो गया।

पाकिस्तान अमेरिका-ईरान वार्ता की मेजबानी करने को तैयार : विदेश कार्यालय

इस्लामाबाद, (भाषा)। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के व्यापक एवं स्थाई समाधान के लिए अमेरिका और ईरान के बीच सार्थक वार्ता की मेजबानी और सुविधा प्रदान करना उसके लिए सम्मान की बात होगी। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के उस बयान के दो दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि इस्लामाबाद अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए सार्थक और निर्णायक वार्ता कराने के लिए तैयार है। अंद्राबी ने यहां प्रेस वार्ता में कहा, जारी संघर्ष के व्यापक और स्थाई समाधान के लिए आने वाले दिनों में दोनों पक्षों के बीच सार्थक वार्ता की मेजबानी और सुविधा प्रदान करना हमारे लिए सम्मान की बात होगी। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए चीन और पाकिस्तान द्वारा प्रस्तावित पांच सूत्री पहल विदेश मंत्री इसहाक डार की बीजिंग यात्रा का एक प्रमुख परिणाम था और इस पहल का व्यापक रूप से स्वागत किया गया है।

गायक जुबिन गर्ग की मौत मामले की जांच पूरी हुई : सिंगापुर पुलिस

» सिंगापुर, भाषा।

सिंगापुर पुलिस बल (एसपीएफ) ने पुष्टि की है कि 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में हुई गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले में जांच पूरी हो गई है और इसमें किसी भी तरह की साजिश या आपराधिक कृत्य के सबूत नहीं मिले हैं। बुधवार को जारी एक बयान में कहा गया कि सिंगापुर के कोरोनर्स एक्ट, 2010 के तहत एसपीएफ ने मामले की गहन जांच की, उपलब्ध सबूतों की पड़ताल की और सभी संबंधित गवाहों के बयान दर्ज किए। एसपीएफ ने कहा कि यह बयान मीडिया के सवालों के जवाब में जारी किया गया है और आमजन को ऐसी टिप्पणियां करने से बचने की सलाह दी गई है जो अदालत के फैसले या न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाती हों। बयान में कहा गया कि एसपीएफ की जांच से स्थापित हुआ है कि गर्ग लाजरूस आइलैंड के पास के समुद्री क्षेत्र में एक नौका (यॉट) यात्रा पर थे।

तैराकी के दौरान उन्होंने शुरू में लाइफ जैकेट पहन रखी थी लेकिन बाद में उन्होंने उसे उतार दिया था और वह लाइफ जैकेट के बिना ही नौका पर लौटे थे। बयान के मुताबिक, जब वह दूसरी बार पानी में उतरे तो उन्होंने अकेले एवं नौका से दूर तैराकी की तथा पानी में जाने से पहले लाइफ जैकेट की पेशकश किए जाने के बावजूद वह उसके बिना ही पानी में गए। इसके बाद वह नौका की ओर तैरकर लौटते समय अचेत होते देखे गए। बयान के अनुसार, गर्ग को नौका के कैप्टन एवं उनके समूह के सदस्यों ने तुरंत बाहर निकाला और उन्हें नौका पर वापस लाया गया जहां उन्हें फौरन कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) दिया गया। इसमें बताया गया कि आपातकालीन कॉल आने के तुरंत बाद पुलिस कोस्ट गार्ड की एक नाव भेजी गई और अधिकारी सहायता के लिए तुरंत पहुंचे। बयान में कहा गया कि समुद्र किनारे पहुंचने पर पराचिकित्सकों ने गर्ग का उपचार किया और उन्हें तत्काल एम्बुलेंस से सिंगापुर जनरल हॉस्पिटल ले जाया गया जहां बाद में उनकी मौत हो गई। टॉक्सिकोलॉजी (विष विज्ञान संबंधी जांच) रिपोर्ट समेत पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी यह बात सामने आई कि मौत डूबने के कारण हुई। बयान में कहा गया कि टॉक्सिकोलॉजी विश्लेषण में उनके रक्त के नमूने में एथेनॉल की उच्च मात्रा पाई गई। बयान के अनुसार, इन निष्कर्षों को जांच के लिए राज्य के कोरोनर (अचानक, असामान्य, संदिग्ध या अस्पष्ट परिस्थितियों में हुई मौत के कारणों और हालात की आधिकारिक जांच करने वाला अधिकारी) को सौंपा गया। राज्य के कोरोनर ने एसपीएफ की जांच के निष्कर्षों समेत सभी सबूतों पर विचार किया और 25 मार्च, 2026 को हुई गर्ग की मौत को अचानक डूबने का मामला करार दिया। बयान में कहा गया कि यह निष्कर्ष एसपीएफ की जांच के अनुरूप है और किसी साजिश या आपराधिक कृत्य के सबूत नहीं मिले। एसपीएफ ने कहा कि कोरोनर को ऐसा कोई सबूत नहीं मिला जिससे यह संकेत मिले कि गर्ग की मौत दवाओं, नशीले पदार्थों, भोजन या पेय पदार्थ से एलर्जी के कारण हुई थी। पुलिस ने भारतीय गायक के परिवार और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना भी व्यक्त की।

अमेरिका के नेब्रास्का राज्य ने दीपावली उत्सव को मान्यता दी

न्यूयॉर्क, (भाषा)। अमेरिका के नेब्रास्का राज्य की विधायिका ने दीपावली उत्सव को मान्यता देने वाला एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसे सिएटल स्थित भारतीय मिशन ने राज्य के हिंदू समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया है। यह प्रस्ताव राज्य सीनेटर जॉन फ्रेडरिकसन द्वारा प्रायोजित किया गया था और 31 मार्च को स्पीकर जॉन आर्च ने इस पर हस्ताक्षर किए। सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने एक बयान में कहा कि इस प्रस्ताव को अपनाया जाना अमेरिका के मध्य पश्चिमी क्षेत्र में भारतीय प्रवासी समुदाय के लिए एक ऐतिहासिक घटना है और कॉर्नहस्कर स्टेट (नेब्रास्का का आधिकारिक उपनाम) में रहने वाले लगभग 9,000 हिंदुओं के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि फ्रेडरिकसन लंबे समय से हिंदू समुदाय के समर्थक रहे हैं और मंदिरों के कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लेते रहे हैं। उनके निर्वाचन क्षेत्र में 1993 में स्थापित हिंदू टेम्पल ऑफ ओमाहा स्थित है। इस प्रस्ताव के तहत इस वर्ष 20 अक्टूबर को राज्यपाल जिम पिलेन द्वारा गवर्नर हाउस में भव्य दीपावली समारोह आयोजित करने की भी योजना है। भारतीय मिशन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नेब्रास्का में दीपावली की ऐतिहासिक विधाई मान्यता। नेब्रास्का ने राज्य विधाई प्रस्ताव (एसएलआर)-424 को अंगीकार किया है, जो दीपावली के उत्सव और उसके महत्व को मान्यता देता है। महावाणिज्य दूतावास ने इस कानून को आगे बढ़ाने के लिए फ्रेडरिकसन का आभार जताया और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्यों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। प्रस्ताव में कहा गया है कि दीपावली पर्व एकता का प्रतीक है, क्योंकि इसे भारत के अधिकतर लोग मनाते हैं, चाहे उनका कोई भी धर्म हो और दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोग इस उत्सव को मनाते हैं।

जलडमरूमध्य को फिर से खोलना केवल ईरान के साथ समन्वय से ही संभव

होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का सैन्य विकल्प अवास्तविक : मैक्रो

» सियोल, भाषा।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनका मानना है कि सैन्य अभियान के जरिए होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना अवास्तविक है। मैक्रों ने दक्षिण कोरिया की अपनी यात्रा के दौरान पत्रकारों से कहा, कुछ लोग सैन्य अभियान के जरिए बलपूर्वक होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की वकालत करते हैं। अमेरिका ने कई बार यह रुख जाहिर किया है। उन्होंने कहा, हमने कभी भी यह विकल्प नहीं चुना और हम इसे अवास्तविक मानते हैं।

मैक्रों ने कहा कि सैन्य अभियान में बहुत ज्यादा समय लगेगा और जलडमरूमध्य से गुजरने वाले किसी भी व्यक्ति को (ईरान के) रिवोल्यूशनरी गार्ड से खतरों का सामना करना पड़ेगा, जिनके पास बैलिस्टिक मिसाइलें और कई अन्य हथियार मौजूद हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि जलडमरूमध्य को फिर से खोलना केवल ईरान के साथ समन्वय से ही संभव है, जिसके लिए संभावित युद्धविराम के बाद बातचीत की जाएगी। फ्रांस युद्ध समाप्त होने के बाद तेल व गैस टैंकरों को सुरक्षा प्रदान करने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए यूरोपीय और गैर-यूरोपीय देशों को शामिल करते हुए एक अंतरराष्ट्रीय मिशन के गठन पर जोर दे रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य खुलवाने के उपायों पर चर्चा के लिए 30 से अधिक देशों की बैठक होगी

लंदन। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद बंद किए गए महत्वपूर्ण जहाज मार्ग होर्मुज जलडमरुमध्य को खुलवाने के लिए कूटनीतिक और राजनीतिक दबाव बनाने को लेकर बृहस्पतिवार को 30 से अधिक देशों की बैठक होगी। इस बैठक में हिस्सा लेने वाले देशों में अमेरिका शामिल नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यह स्पष्ट करने के बाद यह बैठक होगी कि जलमार्ग खुलवाना अमेरिका का काम नहीं है। ट्रंप ने अमेरिका के यूरोपीय सहयोगियों की भी आलोचना करते हुए कहा है कि उन्होंने युद्ध का समर्थन नहीं किया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने कहा कि विदेश मंत्री यवेट कूपर की अध्यक्षता में डिजिटल माध्यम से आयोजित होने वाली इस बैठक में हम सभी संभव कूटनीतिक और राजनीतिक उपायों का मूल्यांकन करेंगे ताकि आवागमन की स्वतंत्रता बहाल हो सके, फंसे हुए जहाजों और नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और महत्वपूर्ण वस्तुओं के परिवहन को फिर से शुरू किया जा सके। इस बीच, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा, जापान और संयुक्त अरब अमीरात समेत कुल 35 देशों ने एक साझा बयान पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें उन्होंने ईरान से होर्मुज जलडमरूमध्य को अवरुद्ध करने के प्रयास बंद करने का अनुरोध किया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com